



विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने न्यूयॉर्क में 8वीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान कनाडा की विदेश मंत्री अनीता आनंद से मुलाक़ात की।

दैनिक

राष्ट्रीय



राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

■ भोपाल, सोमवार 28 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 107 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

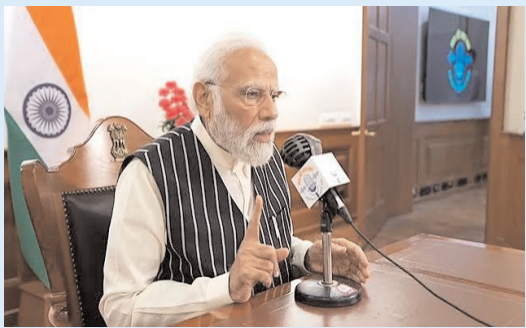
मन की बात में पीएम मोदी ने लोगों से की जनगणना में भागीदारी की अपील

अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा : प्रधानमंत्री

विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतराष्ट्रीय अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल को पीएम मोदी ने किया याद

नई दिल्ली,(एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को ‘मन की बात’ कार्यक्रम के जरिए देशवासियों को संबोधित किया। कार्यक्रम के 138वें एपिसोड में पीएम मोदी ने सर्जिकल स्ट्राइक,आतंकवाद,जनगणना और विश्व हिंदू परिषद के पूर्व अंतरराष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष स्वर्गीय अशोक सिंघल समेत कई मुद्दों का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि 28 सितंबर को 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक के 10 साल पूरे होने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत अब वह भारत नहीं है, जो आतंकवाद को बर्दाश्त करे। आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और आतंकवादियों की ओर से भारत पर आंख उठाने पर करारा जवाब दिया जाएगा।‘मन की बात’ के 138वें एपिसोड में प्रधानमंत्री ने 28-29 सितंबर 2016 की सर्जिकल स्ट्राइक को याद करते हुए कहा कि उस समय भारतीय सेना ने आतंकवाद के खिलाफ सीमा पार जाकर जो

सटीक जनगणना किसी भी देश के भविष्य की सही तस्वीर है



कुछ सप्ताह बाद हुए 26 नवंबर, 2008 के मुंबई आतंकी हमले को याद करते हुए कहा कि उस दौर में आतंकवादी घटनाओं के बाद कार्रवाई की मांग तो उठती थी लेकिन अवसर केवल समय बीतने का इंतजार किया जाता था। पिछले एक दशक में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट हवाई कार्रवाई और ऑपरेशन सिंदूर तक भारत ने बार-बार स्पष्ट किया है कि यदि आतंकवादी भारत की ओर बुरी नजर डालेंगे तो उन्हें करारा जवाब मिलेगा। आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ पूरी तरह जीरो टॉलरेंस की नीति पर चल रहा है और इसके परिणाम भी दिखाई दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अमेरिका में 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले की 25वीं वर्षगांठ का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि वर्ल्ड ट्रेड सेंटर पर हुए हमले ने अमेरिकियों के बाद सबसे अधिक भारतीय नागरिकों की जान गई थी।

शौर्य दिखाया,उसे देखकर दुनिया हैरान थी। उन्होंने कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने पूरी दुनिया के सामने आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति का एक नया उदाहरण प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बीते एक

दशक में सर्जिकल स्ट्राइक से लेकर बालाकोट एयर स्ट्राइक और ‘ऑपरेशन सिंदूर’ तक भारत ने बार-बार स्पष्ट संदेश दिया है कि अगर आतंकवादी भारत पर आंख उठाएंगे तो उन्हें करारा जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि पहले देश में सीरियल ब्लास्ट होना आम बात थी, लेकिन आज का भारत आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति लेकर चल रहा है और इसके नतीजे भी दिखाई दे रहे हैं।

उत्तर प्रदेश में पिछले 65 घंटे से जारी भारी बारिश से 29 लोगों की मौत

उत्तर भारत में बारिश का कहर,बिहार में कोसी-गंडक के उफान से 500 घर डूबे

लखनऊ/पटना,(एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बेहद खतरनाक बना हुआ है। उत्तर प्रदेश में पिछले 65 घंटों से जारी मूसलाधार बारिश और तेज आंधी के कारण दो दिनों में 29 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि बिहार में नदियों के उफान से बाढ़ के हालात गंभीर हो गए हैं। वहीं, पहाड़ी राज्यों उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी और मैदानी हिस्सों में भारी बारिश के चलते जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। उत्तर प्रदेश के लखनऊ, कानपुर, उ्ताव,बाराबंकी,अयोध्या,चित्रकूट और जौनपुर सहित करीब 45 शहरों में पिछले 65 घंटों से रुक-रुक कर भारी बारिश हो रही है। आंधी-बारिश और बिजली गिरने से जुड़े हादसों में अब तक 29 लोगों की जान जा चुकी है। सैकड़ों बीघा फसलें जलमग्न होकर बर्बाद हो गई हैं तथा जगह-जगह पेड़ और बिजली के पोल गिरने से विद्युत आपूर्ति

ठप है। 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफतार से चल रही हवाओं के बीच 22 जिलों में अचानक बाढ़ का खतरा बना हुआ है। चित्रकूट में मंदाकिनी नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे प्रमुख घाटों की सीढ़ियां पूरी तरह डूब गई हैं। नेपाल के तराई क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते बिहार की कोसी और गंडक नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। साइक्लोन चर्चनबन्ज का असर भले ही कमजोर हुआ हो, लेकिन पिछले 72 घंटों की बारिश से 17 जिलों के लगभग 6,000 गांव टापू में तब्दील हो गए हैं। अकेले सुपील जिले के 50 गांवों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं,जहां 500 से अधिक घर पूरी तरह पानी में डूब चुके हैं। प्रशासन प्रभावित क्षेत्रों में राहत व बचाव कार्य में जुटा है। भारी बारिश का रेड अलर्ट,4 जिलों में बर्फबारी और चारधाम यात्रा रोकीउत्तराखंड में मौसम विभाग की चेतावनी के बाद सतकंठा बढ़ा दी गई है। मौसम विभाग ने देहरादून, टिहरी, हरिद्वार और पौड़ी गढ़वाल में भारी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है।

सिंहस्थ के लिए सड़क चौड़ीकरण के लिए मुख्यमंत्री ने अपने घर पर चलाई कुदाल

उज्जैन में अपने पैतृक मकान की दीवार तोड़ते समय भावुक हुए डॉ.मोहन यादव

उज्जैन। मध्य प्रदेश में सिंहस्थ-2028 की तैयारियों के बीच रविवार को उज्जैन में एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने विकास की बड़ी परियोजना को भावनाओं से जोड़ दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने पैतृक मकान पर खुद कुदाल चलाई, जहां उनका बचपन बीता, परिवार की यादें जुड़ी हैं और जीवन के अनेक महत्वपूर्ण प्रसंगों के वे साक्षी रहे हैं। दरअसल, सिंहस्थ के लिए सड़क चौड़ीकरण की जद में आए अपने पुश्तैनी घर के प्रभावित हिस्से को हटाने की शुरुआत मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने स्वयं की। इससे पहले उन्होंने घर में पूजा-अर्चना की और अंदर जाकर वर्षों पुरानी स्मृतियों से जुड़े इस मकान को देखा। कुदाल चलाते समय मुख्यमंत्री भावुक हो उठे। मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां बचपन बीता हो, वहां की स्मृतियां मन से जुड़ी होती हैं। ऐसे घर का हिस्सा



हटाना स्वाभाविक रूप से भावुक करने वाला है, लेकिन यदि सिंहस्थ के लिए यह आवश्यक है तो यह बलिदान देना ही होगा। उन्होंने कहा कि उज्जैन के विकास और करोड़ों श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए शहर के लोग भी अपने मकानों के प्रभावित हिस्से पीछे कर रहे हैं। उनका यह पैतृक आवास अनेक चुनौतों और विजय का साक्षी रहा है, लेकिन एक जन्मप्रतिनिधि के रूप में हमारी

जिम्मेदारी है कि जनकल्याण में होने वाले विकास कार्यों में स्वयं उदाहरण प्रस्तुत करें। नियम सभी के लिए सामान होने चाहिए। शासन और जनहित के लिए जो आवश्यक है, हमें उसे स्वीकार करते हुए आगे बढ़ना चाहिए। उल्लेखनीय है कि सिंहस्थ-2028 को लेकर उज्जैन में बड़े पैमाने पर सड़क और शहरी अधोसंरचना के विकास का अभियान चल रहा है। इसी क्रम में खजूर वाली

संदिग्ध परिस्थितियों में प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक की गिरने से हुई मौत

आश्रम ‘गृह कृपा कुंज’ से नीचे गिरे,प्राइवेट पार्ट कटा हुआ मिलने से रहस्य गहराया

वृंदावन ,(एजेंसी)। वृंदावन के विख्यात संत प्रेमानंद महाराज के आश्रम ‘गुरु कृपा कुंज’ से एक बेहद सनसनीखेज और झकझोर देने वाला मामला सामने आया है। प्रेमानंद महाराज के शिष्य रसिक दुलारी शरण की आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे गिरकर संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गत शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे हुई इस घटना के बाद गंभीर रूप से घायल शिष्य को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया,जहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। इस दर्दनाक घटना में सबसे हैरान करने वाली बात यह सामने आई है कि मृतक का प्राइवेट पार्ट कटा हुआ था,जिससे पूरा मामला बेहद रहस्यमयी हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार, शिष्य का असली नाम दीपक लोधी था और वह मूल रूप से मध्य प्रदेश के जबलपुर के रहने वाले थे। आश्रम में वह रसिक दुलारी शरण के नाम से साधना कर रहे थे। शुक्रवार सुबह अचानक वह आश्रम की चौथी मंजिल से नीचे आ गिरे। फर्श पर गिरने के

कारण उनके सिर और शरीर के अन्य हिस्सों पर गंभीर चोटें आईं। मौके पर मौजूद आश्रम के सेवादार उन्हें आनन-फानन में स्थानीय सर्वोदय अस्पताल लेकर पहुंचे,जहां डॉक्टरों की तमाम कोशिशों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। प्रथम दृष्टया इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है,लेकिन प्राइवेट पार्ट कटे होने के तथ्य ने पुलिस और जांच एजेंसियों के कान खड़े कर दिए हैं। सवाल यह उठ रहा है कि क्या शिष्य ने खुद अपना गुनागं काटने के बाद चौथी मंजिल से छलांग लगाई या फिर इसके पीछे कोई गहरी साजिश है। पुलिस इस बिंदु पर भी गंभीरता से पड़ताल कर रही है कि क्या यह आत्महत्या है या हत्या की किसी वारदात को आत्महत्या का रूप देने का प्रयास किया गया है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस और फॉरेंसिक एक्सपर्ट्स की टीम मौके पर पहुंची। फॉरेंसिक टीम ने आश्रम परिसर और घटनास्थल से अहम साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि घटना की सूचना काफी देर से पुलिस तक पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम हाउस में रखवा दिया गया है और मध्य प्रदेश में रह रहे परजनों को सूचित कर दिया गया है।

सुविचार

मेरे विचार से विद्वानो के पत्र मानव के समस्त कथनो से श्रेष्ठ हैं।

- फासिस बेकन

गुवाहटी में सीजेपी के रांका और उनकी टीम को पुलिस ने लिया हिरासत में

गुवाहटी। असम पुलिस ने रविवार को गुवाहटी में कॉन्ग्रेस जनता पार्टी (सीजेपी) के को-कैनेड अशुतोष रांका और संगठन के कई अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई संगठन की पहली क्षेत्रीय स्वयंसेवक बैठक के असम संघिवालय के पास शुरू होने से ठीक पहले की गई। सीजेपी नेताओं ने बताया कि अशुतोष रांका,अंकित माझान और प्रेम अकाश समेत संगठन के बड़े नेताओं और असम के स्वयंसेवकों को पुलिस हिरासत में लेकर किसी जगह पर गयी है। आरोपों में कस गया है कि पुलिस ने सुबह से ही कार्यक्रम स्थल तक जाने का रास्ता रोक दिया था, जिससे स्वयंसेवक पहाड़ी पर बनी मीटिंग की जगह तक नहीं पहुंच पाए। संगठन ने दावा किया है कि पूरे इलाके से लगभग 2000-300 स्वयंसेवकों को एक साथ लाने की योजना बनाई गयी थी। उल्लेखनीय है कि, विधायक अखिल गोर्गोई की अनुमति वाली रफ्तार देने के तताओं की गुवाहटी में रांका समेत सीजेपी के अन्य नेताओं के साथ शनिवार को एक बैठक हुई थी। बैठक में कई मुद्दों पर चर्चा हुई, जिनमें असम में हालिया बाढ़ और राज्य में अपनी गतिविधियों को बढ़ाने की सीजेपी की योजनाएं शामिल थीं।

लोकसभा अध्यक्ष,राजनाथ सिंह ने विश्व पर्यटन दिवस पर दी शुभकामनाएं

नई दिल्ली। लोकसभा अय्यक्ष ओम बिरला, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह व अन्य ने रविवार को विश्व पर्यटन दिवस पर देश-विदेश के पर्यटकों का शुभकामनाएं दीं। ओम बिरला ने एएस पर बिस्वा,विश्व पर्यटन दिवस पर सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। पर्यटन का जो एक केवल घुमना-फिरना या दैनिकीय स्थल देखना ही नहीं है, बल्कि यह हमारी विरासत, संस्कृति, प्रकृति और परंपराओं को जानने और उनसे जुड़ने का एक अवसर भी है। विविधता में एकाता का प्रतीक भारत और प्यारो हमारे देश की भावना वाला रामस्थान, आज दुनिया भर के पर्यटकों की पहली पर्यट बने हुए है। यहां के किले, महल और नदियों से लेकर लोक कलाएं, जीवत संस्कृति और गर्मजोशी भरा आतिथ्य सब कुछ मन को मोह लेने वाला है। वहीं रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि प्राचीन नदियों और ऐतिहासिक स्मारकों से लेकर देश के प्राकृतिक अजूबों और सांस्कृतिक परंपराओं तक, भारत दुनिया को अपनी सभ्यतागत विरासत की एक बेमिसाल यात्रा का अनुभव कराता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत का पर्यटन क्षेत्र नई गति पकड़ रहा है। इसमें कनेक्टिविटी, विषय-उत्तरीय बुनियादी ढांचे, विरासत के संरक्षण और भारत की विविध पर्यटन क्षमता को दुनिया के सामने लाने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। भारत के नागरिकों की सामूहिक कोशिशों से देश को एक ऐसा पर्यटन स्थल बन रहे जो पर्यटकों का स्वागत करने वाला, जिम्मेदार और दुनिया भर में परसट किया जाने वाला हो।

मणिपुर के सेनापति में हुई गोलीबारी,मृतकों की संख्या बढ़कर हुई तीन

इंमाल। मणिपुर के सेनापति मिले में शनिवार को संदिग्ध उग्रवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में मृतकों की संख्या बढ़कर तीन हो गई है। घटना में घायल दो नागरिकों में से एक ने रविवार तड़के दम तोड़ दिया। अधिकारियों ने बताया कि मृतक की पहचान अशिले सानी (49) के रूप में हुई है। रविवार सुबह करीब तीन बजे एक निजी अस्पताल में मृतक ने अंतिम सांस ली। इसके बाद उनके शव को पोस्टमार्टम के लिए सेनापति जिला अस्पताल ले जाया गया। उल्लेखनीय है कि, शनिवार दोपहर सेनापति क्षेत्र के कालेनजगम गांव में हुई गोलीबारी में दो नंगा नागरिकों की मौतें पर ही मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान चाओपेनामाई गांव निवासी रंकी और लाई शिराफी गांव निवासी कुमार के रूप में हुई है। घटना में घायल अदानी मैनिजो (33) का अस्पताल में उपचार चल रहा है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और सुरक्षा बलों की टीम मौके पर पहुंची। मामले की जांच शुरू कर दी गई है। कुछ रिपोर्टों में संशय सूची समूहों की कथित सक्रियता की बात कही गई है, हालांकि इन्हें दावे की स्थिति रूप से पुष्टि नहीं हुई है। यह घटना यूनाइटेड नंगा काउंसिल (यूएनसी) द्वारा राज्य के राष्ट्रीय राजमार्गों पर चार महीने से जारी आर्थिक नाकेबंदी को स्थगित करने की घोषणा से कुछ घंटे पहले हुई।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने दिखाई हरी झंडी,404 किलोमीटर रेल नेटवर्क पर ‘कवच’

अहमदाबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने रविवार को गुजरात के साबरमती से देश की पहली एलएनजी-डीजल डुअल-फ्यूल ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने गुजरात में 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ भी किया। रेलवे ने कहा कि साबरमती से भारतीय रेल में आज से हरित उर्जा के नए अध्याय का शुभारंभ हुआ है। वैकल्पिक ईंधन और आधुनिक रेल सुरक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए इस ट्रेन में एलएनजी(द्रवीकृत प्राकृतिक गैस) और डीजल दोनों ईंधनों का उपयोग किया जा सकता है। साबरमती इंटीग्रेटेड कोचिंग डिपो में 1,400 हॉर्सपावर क्षमता वाली दो ड्राइविंग पावर कारों को डुअल-फ्यूल प्रणाली में परिवर्तित किया गया है। रेलवे के अनुसार यह प्रणाली लगभग 40 प्रतिशत तक डीजल की जगह एलएनजी का उपयोग कर सकती है। इस सेवा को शुरू करने से पहले इसका 2,000 किलोमीटर

से अधिक का फ्रीड ड्रायल भी किया गया। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री शाह ने 1,542 करोड़ से अधिक की विभिन्न रेल परियोजनाओं का लोकार्पण, शिलान्यास और शुभारंभ किया। उन्होंने साबरमती में नवनिर्मित डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव मॉटेन्स शेड राउ को समर्पित किया। लगभग 700 करोड़ की लागत से निर्मित यह शेड उच्च क्षमता वाले डब्ल्यूएजी-12 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिव के रख रखाव के लिए विकसित किया गया है। डब्ल्यूएजी-12 लोकोमोटिव लगभग 12,000 हॉर्सपावर क्षमता वाला है और भारी मालगाड़ियों के संचालन में उपयोग किया जाता है। इसके अलावा साबरमती-कलोल-भांडू मोटीडाऊ रेलखंडों पर ऑटोमैटिक ब्लॉक सिग्नलिंग प्रणाली का लोकार्पण किया गया। इससे इन रेलखंडों पर ट्रेनों के सुरक्षित और सुचारु संचालन तथा लाइन क्षमता बढ़ाने में मदद मिलने की उम्मीद है। अहमदाबाद-पलनपुर और अहमदाबाद-सामाख्याली रेलखंडों के कुल 404 किलोमीटर नेटवर्क पर स्वदेशी ‘कवच’ सुरक्षा प्रणाली के कार्य का शिलान्यास भी किया गया।

वे स्वयं को मंत्री नहीं,बल्कि जनता का सेवक मानते हैं : शिवराज सिंह चौहान

केंद्रीय कृषि मंत्री ने इछवर क्षेत्र में किया 36 प्रधानमंत्री ग्राम सड़कों का भूमि पूजन

सीहोर। केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गांवों में सड़कों का जाल बिखकर विकास को रफ्तार दी जा रही है। सड़क संपर्क मजबूत होने से ग्रामीणों की आवाजाही सुगम होगी। साथ ही व्यापार-व्यवसाय एवं स्थानीय आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान रविवार को मध्य प्रदेश के सीहोर जिले में सड़कों के भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इछवर और भैरूदा क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। इछावर विकासखंड के ग्राम बोरदी में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत 36 सड़कों के निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इन सड़कों से क्षेत्र के 36 गांवों की 41 बसाहटें मुख्य मार्गों से जुड़ेंगी। इससे ग्रामीण



क्षेत्रों में आवागमन की सुविधा बढ़ने के साथ ही क्षेत्र को कनेक्टिविटी को भी मजबूती मिलेगी। कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत स्वीकृत सभी सड़कों का निर्माण एक वर्ष में पूरा किया जाए। सड़क निर्माण में गुणवत्ता और समय सीमा से किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए बेहतर सड़क कनेक्टिविटी आवश्यक है। शेष पात्र सड़कों की भी योजना में शामिल कराने के प्रयास किए जाएं, ताकि कोई भी गांव बेहतर आवागमन की

सुविधा से वंचित न रहे। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने इछावर क्षेत्र के किसानों को बड़ी सीमागत देते हुए कृषि विज्ञान केंद्र की स्थापना की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इसके लिए भाऊखेड़ी के पास 50 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। कृषि विज्ञान केंद्र में फल, फूल, सब्जी और अनाज सहित विभिन्न फसलों पर वैज्ञानिक प्रयोग एवं अनुसंधान किया जाएगा तथा किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों से जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से उत्पादन बढ़ाने और किसानों की आय में वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे। भैरूदा में आयोजित कार्यक्रम में चौहान ने कहा कि वे स्वयं को मंत्री नहीं, बल्कि जनता का सेवक मानते हैं। जनता की समस्याओं को सुनना और उनका समाधान करना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के लोगों की समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।





गणेश विसर्जन के बाद शिवना से निकाला एक ट्रॉली प्लास्टिक कचरा



मंदसौर। शिवना नदी के शुद्धिकरण के लिए चलाए जा रहे अभियान के 143वें दिन भी नदी में श्रमदान का सिलसिला जारी रहा। विधायक विपिन जैन के नेतृत्व में श्रमदानियों ने नदी और घाट क्षेत्र में सफाई की। इस दौरान नदी से करीब एक ट्रॉली प्लास्टिक कचरा निकाला गया। अनंत चतुर्दशी पर गणेश

प्रतिमाओं के विसर्जन के बाद कुछ प्रतिमाएं पानी के बहाव के साथ वापस नदी किनारे आ गई थीं। श्रमदानियों ने इन प्रतिमाओं को सम्मानपूर्वक नदी से बाहर निकालकर सुरक्षित स्थान पर रखा। इन्हें उचित स्थान पर पुनः जल में विसर्जित किया जाएगा। श्रमदान के दौरान नदी में जमा प्लास्टिक, पूजन सामग्री और अन्य

कचरा भी बाहर निकाला गया। नदी के आसपास उगी गाजर घास तथा घाट क्षेत्र में फैले प्लास्टिक कचरे को एकत्र कर सफाई की गई। भारतीय डाक विभाग, मंदसौर के कर्मचारियों ने भी अभियान में सहभागिता करते हुए श्रमदान किया। विधायक जैन ने नगरवासियों से प्रतिदिन सुबह 7 से 9 बजे के बीच शिवना शुद्धिकरण अभियान में श्रमदान के लिए पहुंचने का आग्रह किया। श्रमदान में रमेश सोनी, हेमराज खाबिया, भंवरलाल प्रजापत, राकेश जैन पिंटू, शांतिलाल मेमावत, बालकृष्ण दवे, भारतीय डाक विभाग से ज्योति चपड़ोट, अखिलेश ओझा, सेवती ओझा, राजेंद्र नागर, विजेंद्र मीणा, भीम सिंह झाला, राकेश कटारा, विजय मांडोल, प्रिया गहलोत, बालकृष्ण पोरवाल, गोविंद जोशी, ललित जोशी, चंचल डोडिया, जगदीश नागर, छत्रपाल सिंह राणावत, रामचंद्र धामन, पवन धाकड़, चंद पाशा सहित रफत पर्यामी, इष्ट भाचावत, राखी सत्रावाला, अनीता भदोरिया, गीताली पोरवाल तथा राजनारायण लाडू, विकास शशीरा, शैलेंद्र बघेरवाल, भूपेंद्र सिंह राठौर, संजय नाहर, रईस खान पटवारी, रमेश ब्रिजवानी, विश्वास दुबे, अजय सोनी, जयेश पालीवाल, कैलाश कुमावत, सादिक गोरी, राजेश चौधरी, राकेश सेन, अकरम खान, आमोन खान, राहुल तिवारी, संजय बारोट, गणपत राठौर, अंसार मेव, ऋषिराज लाडू आदि शामिल रहे।

हैदरवास क्षेत्र में फिर तेंदुए की दस्तक, मवेशी का किया शिकार



मंदसौर। हैदरवास क्षेत्र में एक बार फिर तेंदुए की मौजूदगी सामने आने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रात के समय तेंदुए ने बंधे हुए मवेशी का शिकार कर दिया। घटना के बाद मौके पर तेंदुए के पैरों के निशान भी मिले हैं। सूचना मिलने पर डीएफओ संजय रायखेरे सहित वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। डीएफओ संजय राय खैराने बताया कि हैदरवास से लगा क्षेत्र घने जंगल से घिरा हुआ है, जो राजस्थान और मध्यप्रदेश की सीमा को जोड़ता है। इस क्षेत्र में तेंदुए का मुक्कत लगातार बना रहता है और जंगल से लगे होने के कारण तेंदुए का आवागमन सामान्य रूप से

होता रहता है। उन्होंने बताया कि तेंदुए को पकड़ने के लिए गांधीसागर से टीम बुलाई गई है। टीम द्वारा क्षेत्र में पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने का प्रयास किया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार, क्षेत्र में तेंदुए की मौजूदगी पहले भी सामने आती रही है। पूर्व में नई आबादी थाना क्षेत्र के हांसली गांव में तेंदुए ने कई बकरियों का शिकार कर दिया था, जबकि कुछ बकरियों को वह उठाकर ले गया था। लगातार तेंदुए के मुक्कत और मवेशियों के शिकार की घटनाओं से ग्रामीणों में चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों ने वन विभाग से क्षेत्र में निगरानी बढ़ाने और तेंदुए को पकड़ने के लिए प्रभावी कार्रवाई की मांग की है।

बैतूल जिले से 20 छात्र-छात्राएं शैक्षिक भ्रमण के लिए गुजरात रवाना

बैतूल। गणित एवं विज्ञान ओलंपियाड के तहत बैतूल जिले के चयनित कुल 20 छात्र-छात्राओं का दल गुजरात भ्रमण के लिए 26 सितंबर को रवाना हुआ। जिला शिक्षा अधिकारी सुश्री पूनम वरकड़े एवं योजना अधिकारी श्री विनोद पडुलक ने बताया कि जिले का 20 छात्र-छात्राओं का दल शिक्षक- शिक्षिकाओं के साथ 6 दिवसीय यात्रा पर गुजरात के लिए 26 सितंबर को एक्सप्रेस स्कूल ग्राउंड बैतूल से प्रशासन की मौजूदगी में रवाना हुआ। दल 27 सितंबर को अहमदाबाद पहुंचेगा। वहीं 28 सितंबर को अहमदाबाद में एस्ट्रोनामी गैलरी, एक्स्टिक गैलरी, रोबोटिक गैलरी, नेचर पार्क, मल्टीमीडिया लेजर और फाउंटेन शो लाइफ साईंस पार्क, हॉल ऑफ स्पेस ऑफ साईंस एनर्जी एजुकेशन, क्लाइमेट चेंज लर्निंग लैब और रिवरफ्रंट इत्यादि का भ्रमण कराया जाएगा।

‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित

बैतूल। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शनिवार को जयवंती हाक्सर शासकीय महाविद्यालय के अटल सभागार में ‘मेरे सपनों का भारत’ विषय पर जिला स्तरीय चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में जिले के सभी विकासखंडों से प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में आमला विधायक डॉ. योगेश पंडाग्रे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री हंसराज धुर्वे, जिला विकास सलाहकार समिति सदस्य श्री शुभाकर पवार, श्री कमलेश सिंह, श्री कृष्णा गायकी, श्री अतीत पवार एवं डॉ. महेंद्र सिंह चौहान सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता के माध्यमिक वर्ग में घोड़ाडोंगरी से कक्षा 8वीं के विद्यार्थी आयुष ने प्रथम , बैतूल से कक्षा 6वीं के मोहित ने द्वितीय तथा कक्षा 8वीं की तेजस्विनी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। वहीं हाईस्कूल/हायर सेकेंडरी वर्ग में घोड़ाडोंगरी से कक्षा 9वीं की छात्रा रुचिका ने प्रथम, शाहपुर विकासखंड से कक्षा 10वीं की खुशी सलामे ने द्वितीय तथा नीलम उईके ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुख्य अतिथियों ने विजेता विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

नर्मदापुरम में बिजलीकर्मों के साथ मारपीट एवं दुर्व्यवहार करने वाले आरोपित के खिलाफ एफआईआर दर्ज

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल/ नर्मदापुरम। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा नर्मदापुरम वृत्त के अन्तर्गत नर्मदापुरम टाउन जोन-2 के सदर बाजार में राजस्व वसूली एवं शासकीय कार्य के दौरान इयूटी पर तैनात बिजलीकर्मों से दुर्व्यवहार व मारपीट करने वाले आरोपित के खिलाफ थाना कोतवाली जिला नर्मदापुरम में एफआईआर दर्ज कराई गई है। महाप्रबंधक नर्मदापुरम वृत्त श्री विनीत बागड़े ने बताया कि कनिष्ठ यंत्री श्री उमाकांत यादव एवं कंपनी की टीम द्वारा शनिवार को नर्मदापुरम टाउन जोन-2 अंतर्गत गुप्ता नर्सिंग होम के पीछे, सदर बाजार स्थित श्री दीपक मनसोरिया के परिसर में अवैध रूप से विद्युत का उपयोग

किये जाने के विरुद्ध विजिलेंस दल द्वारा अधिरोपित राशि रूपये 54 हजार की राजस्व वसूली एवं अवैध रूप से जोड़ी गई लाइन को विद्युत पोल से विच्छेदित करने की कार्यवाही की जा रही थी। इस दौरान देव परते पिता श्री रामदास परते द्वारा शासकीय कार्य में बाधा डालते हुए इयूटी पर तैनात कनिष्ठ यंत्री श्री उमाकांत यादव के साथ गाली चलते हुए मारपीट, जान से मारने की धमकी तथा शासकीय कार्य में बाधा डाली गई। इस संबंध में कंपनी द्वारा पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों से समन्वय स्थापित कर आरोपी देव परते पिता श्री रामदास परते के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) 2023 की धारा 132, 296(डू), 115(2), 351(3) एवं

324(4) के तहत थाना कोतवाली नर्मदापुरम में एफआईआर दर्ज कराई गई है। थाना कोतवाली नर्मदापुरम ने प्रकरण पर संज्ञान लेकर विवेचना शुरू कर दी है। बिजली कंपनी के मैदानी कर्मचारियों और अधिकारियों को इयूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने तुरंत एफ.आई. आर. कराने के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने कहा है कि प्रायः देखने में आ रहा है कि बिजली कर्मियों पर इयूटी के दौरान असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट / दुर्व्यवहार किया जा रहा है। चूंकि ऐसी घटनाएं विद्युत अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल गिराती हैं, इसलिए कंपनी के कार्यक्षेत्र में

कार्यरत सभी नियंत्रणकर्ता अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार या मारपीट की घटनाओं को पूरी गंभीरता से लिया जाए। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री ऋषि गंग ने इयूटी पर तैनात अधिकारियों/कर्मचारियों से दुर्व्यवहार या मारपीट के मामलों को शासकीय कामकाज में बाधा डालने के तौर पर लिया जाकर तुरंत कानूनी कार्यवाही के निर्देश दिए हैं। कंपनी ने मैदानी अधिकारियों/कर्मचारियों से कहा है कि विद्युत आपूर्ति की स्थिति पर लगातार नजर रखें और जिले के कलेक्टर / पुलिस अधीक्षक से संपर्क कर किसी भी अप्रिय स्थिति में उनसे आवश्यक सहयोग प्राप्त करें।



मुख्यमंत्री को उज्जैन में पंख मैराथन के शुभारंभ कार्यक्रम में प्रतीक चिह्न भेंट किया।

तीन दिन बैंक बंद, 28 से राष्ट्रव्यापी हड़ताल 28 सितंबर को लाल, 29 को काले और 30 सितंबर को सफेद ड्रेस में नजर आएंगे बैंककर्मों



मंदसौर। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (UFBU) के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर जिले के सरकारी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के अधिकारी और कर्मचारी 28 से 30 सितंबर तक तीन दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। हड़ताल के पहले दिन 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे बैंककर्मों गांधी चौराहा स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के सामने एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन करेंगे। UFBU मंदसौर के पदाधिकारियों के अनुसार बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की लंबित मांगों तथा सरकार को बैंक कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध में यह आंदोलन किया जा रहा है। प्रदर्शन के दौरान बैंककर्मों नारेबाजी कर अपनी मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद करेंगे। आंदोलन के तीनों

दिनों में बैंककर्मियों के लिए अलग-अलग ड्रेस कोड निर्धारित किया गया है। 28 सितंबर को कर्मचारी लाल वस्त्र पहनकर विरोध जताएंगे। 29 सितंबर को काले वस्त्र पहनकर प्रदर्शन किया जाएगा और सुबह 10:30 बजे गांधी चौराहा से शहर के प्रमुख मार्गों से होकर वाहन रैली निकाली जाएगी। वहीं 30 सितंबर को सफेद वस्त्र पहनकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया जाएगा। इस दौरान संगठन की ओर से शासन को अनिश्चितकालीन हड़ताल की चेतावनी भी दी जाएगी। संगठन ने सभी घटक यूनियनों के पदाधिकारियों से झंडे-बैनर के साथ अनुशासित तरीके से आंदोलन में भाग लेते तथा सेवानिवृत्त बैंककर्मियों से भी आंदोलन में सहभागिता की अपील की है।

प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में 806 गर्भवती महिलाओं की जांच, 396 हाई रिस्क मिली

बैतूल। गर्भावस्था से संबंधित जटिलताओं का पता लगाने और समय रहते उज्जा उपचार सुनिश्चित कर सुरक्षित प्रसव करवाने प्रतिमाह 9 एवं 25 तारीख को प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान का आयोजन किया जाता है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ मनोज कुमार हुमाई ने बताया कि शनिवार को आयोजित प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व अभियान शिविर में जिले में कुल 806 गर्भवती महिलाओं की जांच एवं 396 हाई रिस्क विन्डित एवं 55 सोनोग्राफी की गई। शिविर में सभी महिलाओं की खून की जांच एवं जीडीएन की जांच की गई। जिला चिकित्सालय बैतूल में आयोजित शिविर में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ सनीता उईके द्वारा 80 गर्भवती महिला एवं 23 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच एवं 55 महिलाओं की सोनोग्राफी की गई। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र आठवेर में महिला चिकित्सक डॉ ज्योति इवने द्वारा 52 गर्भवती महिलाएं एवं 30 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच, सिविल अस्पताल अमला में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ वैशाली द्वारा 34 गर्भवती महिला एवं 11 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मुलताई में महिला चिकित्सक डॉ सरिता कालमेश्वर द्वारा 79 गर्भवती महिला एवं 38 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सेहरा में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ कविता सिनैया द्वारा 150 गर्भवती महिला एवं 41 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र विघोली में स्त्री रोग चिकित्सक डॉ माधुरी अखाडे द्वारा 76 गर्भवती महिला एवं 71 हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जांच।

जर्जर सड़क से राह मुश्किल, धूल से खेतों की फसल भी प्रभावित

डीगावमाली से जग्गाखेड़ी तक सड़क की हालत खराब, आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे वाहन चालक

मंदसौर। ग्राम डीगावमाली से नाहरगढ़-कयामपुर मार्ग की हालत लंबे समय से खराब होने के कारण इस मार्ग से गुजरने वाले ग्रामीणों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। डीगाव चौपाटी से नाहरगढ़ मार्ग पर डीगावमाली से माल्या खेरखेड़ा तक सड़क का डामर पूरी तरह उखड़ चुका है। जगह-जगह गड्ढों और उखड़ी सड़क के कारण दोपहिया वाहन चालक आए दिन गिरकर चोटिल हो रहे हैं। सड़क पर वाहनों के गुजरने के दौरान धूल के गुबार उठते हैं। इससे पीछे चलने वाले वाहन चालकों को सामने का रास्ता दिखाई देना मुश्किल हो जाता है। वहीं सड़क किनारे



स्थित खेतों में खड़ी फसलों पर भी धूल की परत जम रही है, जिससे किसानों को भी परेशानी हो रही है। राहगीरों ने बताया कि करीब आठ-नौ महीने पहले सड़क पर जिन स्थानों पर गड्ढे हो गए थे, वहां डामरीकरण कर मरम्मत की गई थी। हालांकि कुछ ही महीनों बाद सड़क फिर से जर्जर हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि मार्ग की स्थायी मरम्मत की जरूरत है, ताकि आवागमन सुगम हो सके। इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग के एसडीओ हिमांशु जैन ने बताया कि डीगावमाली से जग्गाखेड़ी तक करीब साढ़े छह किलोमीटर सड़क का टैंडर हो चुका है। निर्माण एजेंसी का अंतिम चयन होना बाकी है। एजेंसी फाइनल होते ही सड़क का काम शुरू कर दिया जाएगा। विभाग की कोशिश है कि जल्द से जल्द निर्माण कार्य शुरू हो।

स्कॉर्पियो में भरकर ले जा रहे थे 4 विक्टल डोडाचूरा, नाहरगढ़ पुलिस ने पकड़ा

मंदसौर। जिले की नाहरगढ़ थाना पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से 4 क्रिटल डोडाचूरा जब्त किया है। पुलिस ने मौके से राजस्थान के जोधपुर जिले के ओसिया निवासी जवाहरलाल विश्वाणोई को गिरफ्तार किया है। जब्त डोडाचूरा की कीमत करीब 8 लाख रुपए तथा तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार 26 सितंबर को नाहरगढ़ थाने में पदस्थ कार्यवाहक सर्जन सीताराम शर्मा को सूचना मिली थी कि कचनारा क्षेत्र से एक काले रंग की स्कॉर्पियो में डोडाचूरा भरकर राजस्थान की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम फतेहागढ़

स्थित हनुमान मंदिर के पास नाकाबंदी की। कुछ देर बाद कचनारा की ओर से स्कॉर्पियो क्रमांक MP13-AG.0627 आती दिखाई दी। पुलिस ने वाहन को रोककर तलाशी ली तो उसमें 4 क्रिटल डोडाचूरा मिला। पुलिस ने डोडाचूरा और स्कॉर्पियो वाहन जब्त कर आरोपी जवाहरलाल विश्वाणोई के खिलाफ करीब 8 लाख रुपए तथा तस्करी में प्रयुक्त स्कॉर्पियो की कीमत करीब 20 लाख रुपए बताई गई है। पुलिस के अनुसार 26 सितंबर को नाहरगढ़ थाने में पदस्थ कार्यवाहक सर्जन सीताराम शर्मा को सूचना मिली थी कि कचनारा क्षेत्र से एक काले रंग की स्कॉर्पियो में डोडाचूरा भरकर राजस्थान की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने ग्राम फतेहागढ़

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

क्लासीफाईड विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्क्रीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह वलायें

गुंटूर-नंबर के बीच 108 करोड़ की लागत से बनेगा चार लेन आरओबी
गुंटूर। आंध्र प्रदेश के गुंटूर शहर में रेल फाटक संख्या तीन को हटाने और यातायात सुगम बनाने के लिए गुंटूर और नंबर एलेवे स्टेशनो के बीच 108 करोड़ रुपये की लागत से चार लेन वाले सड़क ऊपरी पुल (आरओबी) का शिलान्यास किया गया। केन्द्रीय रेल एवं जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमना और गाम्भीर विकास एवं संघार राज्य मंत्री पेन्गमासानी चंद्रोखर ने इस परियोजना की आधारशिला रखी।

दैनिक साष्ट्रीय गरिमा



गोपाल, सोमवार 28 सितम्बर 2026

www.rashtriyaгарima.com

सीएसआईआर द्वारा पांच भारतीय भाषाओं में विज्ञान पत्रिकाओं का शुभारंभ
नई दिल्ली। वैज्ञानिक ज्ञानकारी को देश के अधिक से अधिक लोगों तक उन्नी आनी भाषाओं में पहुंचाने की दिशा में सीएसआईआर ने बड़ा कदम उठाया है। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ.जितेंद्र सिंह ने सीएसआईआर के 85वें स्थापना दिवस पर पांच भारतीय भाषाओं में नई लोकप्रिय विज्ञान पत्रिकाओं का शुभारंभ किया। सीएसआईआर के राष्ट्रीय विज्ञान संघार एवं नीति अनुसंधान संस्थान (सीएसआईआर-निएए) की ओर से शुरू की गई।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे अब ठाकरे ब्रदर्स

एसआईआर के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे 4 अक्टूबर को महामोर्चा करेंगे

मुंबई। चुनाव आयोग की वोटर लिस्ट समीक्षा प्रक्रिया के विरोध में राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने 4 अक्टूबर को मुंबई में संयुक्त मार्च निकालने का ऐलान किया है। दोनों नेताओं ने आयोग पर बीजेपी के पक्ष में काम करने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, उद्धव ठाकरे ने मुख्य चुनाव आयुक्त को पद से हटाने की मांग भी की है। राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग की ओर से वोटर लिस्ट में किए जा रहे स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न (खास सघन समीक्षा) के विरोध में 4 अक्टूबर को मुंबई में



एक संयुक्त मार्च निकालने का ऐलान किया है। उनकी पार्टियों महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना और

शिवसेना यूबीटी ने कहा है कि वे इस मार्च में शामिल होने के लिए दूसरी राजनीतिक पार्टियों को भी न्योता देंगी और पूरे महाराष्ट्र के लोगों से इसमें हिस्सा लेने की अपील करेंगी। एक संयुक्त बयान में दोनों नेताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व वाले चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि वह पूरे भारत में बीजेपी के नेतृत्व वाले गठबंधन के हित में काम कर रहा है। ठाकरे भाइयों ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया का इस्तेमाल वोटरों को धोखा देने के लिए किया गया था और कहा कि यह मार्च उस चीज के विरोध में होगा जिसे उन्होंने वोटरों के साथ घोर धोखा बताया। बयान में कहा गया है देश में लोकतंत्र और इसके

संविधान को बचाने के लिए एकजुट हों। मार्च का समय और स्थान बाद में बताया जाएगा। यह घोषणा उन रिपोर्टों के बाद की गई है जिनमें कहा गया है कि चुनाव आयुक्त सुखवीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने 10 महीनों में कम से कम 14 बार चुनाव आयोग के फैसलों पर आपत्ति जताई थी। खबरों के मुताबिक, इन मुद्दों में वोटर रजिस्ट्रेशन में बदलाव, नामों को हटाना और फिर से जोड़ना,और वोटर लिस्ट के डेटा पर कंट्रोल जैसे मामले शामिल थे। चुनाव आयोग ने इस बात को गलत बताया है कि इन मतभेदों की वजह से उसके फैसले अमान्य हो गए। आयोग का कहना है कि अलग-अलग राय होना स्वाभाविक है और एसआईआर से जुड़े

आदेशों समेत सभी अंतिम फैसलों को सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई थी। फॉर्म 6 को लेकर हुए विवाद पर आयोग ने कहा कि कानूनी फॉर्म में कोई बदलाव नहीं किया गया है और स्ट्रुक्चर के आदेशों के तहत एक अतिरिक्त घोषणा की जरूरत थी। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उन पर मुकदमा चलाने की मांग की और उन पर लोकतंत्र को कमजोर करने का आरोप लगाया। महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा ज्ञानेश कुमार को तुरंत नौकरी से निकाल देना चाहिए और जेल भेज देना चाहिए क्योंकि उन्होंने लोकतंत्र की हत्या की है और संविधान का अपमान किया है।

जोधपुर के आसमान पर दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों ने भरी उड़ान

युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 में 8 देशों के 3 हजार से ज्यादा एयर वॉरियर्स शामिल

जोधपुर। जोधपुर के आसमान में आज दूसरे दिन रविवार को भी दुनिया के खतरनाक लड़ाकू विमानों ने उड़ान भरी। युद्धाभ्यास तरंग शक्ति-2026 कल शनिवार से शुरू हो गया है। जोधपुर एयरबेस पर 12 अक्टूबर तक चलने वाले युद्धाभ्यास में भारत समेत 8 देशों की वायु सेनाओं के जवान हिस्सा ले रहे हैं। इसमें शामिल होने के लिए 32 ऑब्जर्वर और लगभग 100 एयरक्राफ्ट यहां पहुंचे हैं। इसमें 3000 से ज्यादा एयर वॉरियर्स भाग ले रहे हैं। खासतौर से राफेल, तेजस, सुखोई 30 एमकेआई, पांचवीं पीढ़ी का एफ 35, एफ 16 और हवा में ईंधन भरने वाले एयरक्राफ्ट (एयर-टू-एयर रिफ्यूएलर) जैसे कई विमान एक साथ ऑपरेशनल क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। युद्धाभ्यास में भारतीय वायुसेना खासतौर पर ऑपरेशन सिंदूर के दौरान मिली लॉरिंग का अभ्यास करेगी। इस इंटरनेशनल एक्सरसाइज में जोधपुर सहित वेस्टर्न बॉर्डर के 4-5 एयरबेस शामिल होंगे।



यहां से ये विमान अपनी टास्क के अनुसार ऑन एयर होकर टारगेट को तबाह करेंगे। इस युद्धाभ्यास का सबसे बड़ा आकर्षण अमेरिकी वायु सेना का फाइटर जेट एफ-35 लाइटनिंग सेकंड रहेगा। यह पहला अवसर है जब अमेरिका का यह उन्नत स्टीलथ विमान भारतीय धरती से सीधे ऑपरेट करेगा। पाकिस्तान सीमा के करीब जोधपुर एयरबेस पर एफ-35 की मौजूदगी रणनीतिक और तकनीकी रूप से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अमेरिका का लड़ाकू विमान एफ-35

ऐसा विमान है जो रनवे पर दौड़ने के बजाय सीधा उड़ान भरता है। इसके अलावा,फ्रांस अपने उन्नत राफेल और संयुक्त अरब अमीरात (यूईई) अपने एफ-16 लड़ाकू विमानों के साथ इस अभ्यास में शामिल हो रहे हैं। युद्धाभ्यास में आठ देश अमेरिका,फ्रांस, यूएई,जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, ग्रीस, बांग्लादेश और श्रीलंका सीधे तौर पर अपने विमानों और वायुसैनिकों के साथ हिस्सा ले रहे हैं। तरंग शक्ति के जरिए भारत अपनी मेक इन इंडिया रक्षा क्षमता का भी

लोहा मनवाएगा। कई मित्र देशों के वायुसेना प्रमुख इस दौरान जोधपुर पहुंचेंगे और उनके स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस में उड़ान भरने की संभावना है। 100 से अधिक लड़ाकू विमान, 3000 सैनिकतरंगशक्ति का यह दूसरा संस्करण है, जिसे अब तक का सबसे व्यापक और बड़ा वायु अभ्यास माना जा रहा है। इससे पहले इसका पहला संस्करण वर्ष 2024 में तमिलनाडु के सुलूर और जोधपुर में आयोजित किया गया था, लेकिन इस बार इसका दायरा और अधिक विस्तृत किया गया है। इस युद्धाभ्यास में भारत के अलावा अमेरिका, जर्मनी, फ्रांस, यूएई, श्रीलंका, बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया कुल 8 देश अपने लड़ाकू विमानों के साथ मैदान में उतर रहे हैं। दुनिया भर के 32 देश इस पूरी सैन्य गतिविधि का जायजा लेने के लिए बतौर ऑब्जर्वर जोधपुर में शिरकत कर रहे हैं। इस पूरे मेगा इवेंट में कुल मिलाकर 100 से अधिक अत्याधुनिक लड़ाकू विमान आसमान में अपनी ताकत दिखाएंगे और करीब 3, 000 सैन्य जवान व पायलट इस ऑपरेशन का हिस्सा बनेंगे।

मुख्यमंत्री विजय आज मदुरै में शुरू करेंगे ‘तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना’

सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चे को एक ग्राम सोने की अंगूठी दी जाएगी

मदुरै। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी.जोसेफ विजय कल सोमवार 28 सितंबर को मदुरै का दौरा करेंगे। इस दौरान वह सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले बच्चों के लिए शुरू की जा रही ‘तायमामन स्वर्ण अंगूठी योजना’ का शुभारंभ करेंगे। इसके अलावा नवीनीकृत गांधी संग्रहालय का उद्घाटन भी उनके कार्यक्रम में शामिल है। राज्य सरकार के अनुसार, योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक पात्र बच्चे को एक ग्राम वजन की सोने की अंगूठी दी जाएगी। मुख्यमंत्री के दौरे को लेकर मदुरै में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। मंत्री सी.टी.आर. निर्मलकुमार ने जिला कलेक्टर, विधानसभा सदस्यों, नगर निगम आयुक्त और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कार्यक्रम स्थलों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद



पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने मुख्यमंत्री के दौरे और जेम वीरमणि मामले को लेकर सरकार का पक्ष रखा। सरकार ने योजना के पहले चरण के लिए 1.28 लाख एक ग्राम की सोने की अंगूठियां खरीदी हैं। प्रत्येक अंगूठी पर विशिष्ट क्रमांक होगा और इसे छेड़छाड़-रोधी पैकेजिंग में उपलब्ध कराया जाएगा। योजना के तहत 22 जून, 2026 से सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले पात्र बच्चों को भी लाभ दिया जाएगा। मंत्री निर्मलकुमार ने कहा कि गरीब और जरूरतमंद

परिवारों के बच्चों के लिए शुरू की जा रही यह योजना महत्वपूर्ण जनकल्याणकारी पहल है। इसका मदुरै से शुभारंभ दक्षिणी जिलों के लिए विशेष महत्व रखता है। योजना का शुभारंभ पहले 15 सितंबर को प्रस्तावित था, लेकिन बाद में इसे 28 सितंबर कर दिया गया। मदुरै जिले में कार्यक्रम स्थल को लेकर भी बदलाव की जानकारी सामने आई है। शुरुआती तौर पर उसिलमपट्टी सरकारी अस्पताल में कार्यक्रम प्रस्तावित था, जबकि बाद में इसे मदुरै के सरकारी राजाजी अस्पताल में स्थानांतरित किए जाने की खबर है। मुख्यमंत्री नवीनीकृत गांधी संग्रहालय का भी उद्घाटन करेंगे। संग्रहालय के आधुनिकीकरण और पुनर्निर्माण के बाद यहां आधुनिक सुविधाएं विकसित की गई हैं। मुख्यमंत्री के दौरे को देखते हुए प्रशासन की ओर से सुरक्षा और कार्यक्रम संबंधी तैयारियां की जा रही हैं।

नवधा भक्ति के नौ सूत्रों से हमारा जीवन सुविचारित हो सकता है: जोशी

नई दिल्ली। भारतीय विरासत संस्थान (आईआईएच) के कुलपति एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि अगर हम नवधा भक्ति के नौ सूत्रों को अपने सामने रखें तो हमें लगता है कि उससे हमारा जीवन कैसे और अधिक परिष्कृत और अधिक सुविचारित हो जाएगा। डॉ.जोशी ने नोएडा स्थित आईआईएच में छत्तीसगढ़ के ऐतिहासिक एवं धार्मिक तीर्थस्थल शिवरीनारायण की सांस्कृतिक धरोहर पर आधारित वृत्तचित्र ‘शबरी के राम’ की विशेष स्क्रीनिंग के आयोजन पर यह बात कही। उन्होंने कहा कि शबरी का चरित्र और भगवान श्रीराम द्वारा उन्हें दिया गया नवधा भक्ति का उपदेश हम सभी के जीवन को परिष्कृत एवं उन्नत बनाने की शाश्वत प्रेरणा देता है। डॉ.जोशी ने वृत्तचित्र की सराहना करते हुए कहा, शबरी के राम’ भाव की भाषा कहती है और आस्था तथा विरासत के बीच सेतु का कार्य करती है। हम सभी अपने-अपने तरीके से आराध्य की उपासना करते हैं,लेकिन प्रभु श्रीराम द्वारा शबरी को दिया गया नवधा भक्ति का साक्षात्कार अप्रतिम है।

महाराष्ट्र सरकार ने राज्य की 265 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित किया गया



महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रय ने सूखाग्रस्त क्षेत्रों की मीडिया को दी जानकारी

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने सूखे के 265 तहसीलों को सूखा ग्रस्त घोषित किए जाने से संबंधित शासनादेश जारी किया है। जारी शासनादेश के अनुसार सूखाग्रस्त तहसीलों में किसानों के लिए बहुत जल्द आर्थिक मदद की घोषणा की जाएगी। महाराष्ट्र के कृषि मंत्री दत्तात्रय भरणे ने पत्रकारों को बताया कि सर्वेक्षण के अनुसार राज्य में कुल 358 तहसील सूखा प्रभावित पाए गए थे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री सुनेश पवार ने सूखा ग्रस्त इलाकों का हाल ही में दौरा किया था और किसानों से मिलकर

सूखे की स्थिति को जानने का प्रयास किया था। इसी वजह आज मुख्यमंत्री फडणवीस ने 358 तहसीलों से 265 तहसीलों को आज सूखाग्रस्त घोषित किया है। इन इलाकों में ‘ट्रिगर-1’ (अर्थात सर्वात अधिक सूखा)लागू किया गया है। कृषि मंत्री ने कहा कि आज पहला चरण पूरा हुआ है। बहुत जल्द इन तहसीलों के लिए मदद की घोषणा चरणबद्ध तरीके से की जाएगी। उन्होंने बताया कि सूखे की गंभीर स्थिति को देखते हुए सरकार ने प्रशासन को फसल नुकसान का पंचनामा जल्द पूरा करने के निर्देश दिए हैं। नुकसान के आकलन में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए फसलों की वास्तविक स्थिति की तस्वीरें और जीपीएस लोकेशन भी दर्ज करने के निर्देश दिए गए हैं।

सूबे की 265 तहसीलों को सूखाग्रस्त घोषित होने के बाद सूखा प्रभावित इलाकों में किसानों को जमीन के राजस्व से पूरी छूट दी जाएगी। इसके साथ ही स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों की परीक्षा फीस माफ करने का फैसला लिया गया है। सूखा प्रभावित किसानों से खेती से जुड़े ऋण की वसूली पर तत्काल रोक लगाई जाएगी। इसके अलावा,किसानों के फसल ऋण का पुनर्गठन यानी लोन रीस्ट्रक्चरिंग की जाएगी,ताकि उन्हें तत्काल वित्तीय दबाव से राहत मिल सके। साथ ही कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिल में किसानों को राहत दी जाएगी। 7.5 हॉर्सपावर तक के कृषि पंपों का बिजली बिल पहले से माफ है, जबकि अब इससे अधिक क्षमता वाले पंपों को भी बिजली बिल में छूट देने की व्यवस्था की जाएगी। सरकार ने सूखा प्रभावित गांवों में कृषि पंपों के बिजली कनेक्शन नहीं काटने के भी निर्देश दिए हैं। सूखा प्रभावित परिवारों को अधिक से अधिक रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार गारंटी योजना के नियमों में आवश्यक ढील दी जाएगी।

BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION

24/7 SERVICE

- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW

+91-860-2000-710

WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM

विचार-मंथन

सम्पादकीय

कर्ज का बोझ बढ़ेगा

जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियाँ बढ़ा ली गई हैं? फॉरेन करेंसी नॉन-रेसिडेंट बैंक (एफसीएनआर-बी) योजना के जरिए अनिवासी भारतीयों और विदेशों में रहने वाले भारतीय मूल के लोगों से विदेशी मुद्रा (मुख्य रूप से डॉलर) लाणे की योजना कामयाब रही। इससे उस समय 136 बिलियन डॉलर भारत आए हैं, जब देश से डॉलर की निकासी के कारण रुपया बेहद दबाव में था। आए डॉलर के कारण रुपये की कीमत संभली है। लेकिन इस कामयाबी ने कई आशंकाओं को भी जन्म दिया है। यह एक टर्म डिपॉजिट स्कीम है। इसमें तीन से पांच साल की अवधियों के लिए जमा रकम विदेशी मुद्रा में ही मैच्योर होगी। वह रकम विनिमय के उतार-चढ़ाव से प्रभावित नहीं होगी। इस पर मिले ब्याज पर कोई टैक्स भी नहीं लगेगा। मोटे तौर पर इसे फिक्स्ड डिपॉजिट की ऐसी योजना के रूप में समझा जा सकता है, जिसमें मैच्युरिटी पर मिलने वाली रकम उस दौरान हुई मुद्रास्फीति के प्रभाव से मुक्त रहेगी। जमा रकम पर लगभग 16 प्रतिशत का तय रिटर्न मिलेगा। और इसीलिए यह सवाल उठा है कि तीन साल के बाद जब रकम वापसी शुरू होगी, तो क्या जो संकट अभी टाला गया है, उसका उस समय अधिक बड़े रूप में सामना करना पड़ेगा? बैंकों को भुगतान डॉलर में ही करना होगा, जिससे तब विदेशी मुद्रा भंडार पर अचानक बड़ा दबाव बढ़ सकता है। इस बीच अमेरिका या अन्य देश अपनी ब्याज दरें बढ़ाते हैं, तो अनिवासी भारतीय निवेशकों को आकर्षित किए रखने के लिए भारतीय बैंकों को भी अधिक ब्याज देना होगा। उससे देश पर कर्ज का बोझ बढ़ेगा। अभी ही इस योजना के कारण भारत पर विदेशी कर्ज का बोझ 765 बिलियन से बढ़ कर लगभग 900 बिलियन डॉलर हो गया है। जब केंद्र के राजस्व का 40 प्रतिशत और बजट का 26 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ ब्याज चुकाने पर खर्च हो रहा हो, तो बड़े ऋण के दुष्परिणाम को समझा जा सकता है। इसीलिए सवाल उठा है कि क्या फौरी संकट टालने के लिए भविष्य की चुनौतियाँ बढ़ा ली गई हैं? इसीलिए वित्तीय हलकों में यह अंदेश जताया गया है कि कहीं इस योजना का हाल भी गोल्ड बॉन्ड स्कीम जैसा हो जाए!

राज्य योजनाओं में लागू होगा स्टेट सिंगल नोडल एजेंसी (एस-एसएनए) मॉडल

सुनील त्रिपाठी



योजना के लिए राशि वास्तविक आवश्यकता के अनुसार ही जारी होगी। भुगतान के समय एस-एसएनए खाते से संबंधित शून्य शेष सहायक खाते (जेडबीएसए) के माध्यम से सीधे विक्रेता अथवा हितग्राही के खाते में भुगतान किया जाएगा। इससे सरकारी धन लंबे समय तक निष्क्रिय नहीं रहेगा और उपलब्ध निधि का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित किया जा सकेगा।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य योजनाओं के लिए उपलब्ध प्रत्येक रुपये का अधिकतम और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। एस-एसएनए मॉडल से सरकारी धन के प्रवाह में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा योजनाओं के क्रियान्वयन की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। इससे वित्तीय अनुशासन मजबूत होने के साथ सुशासन को भी अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि योजनाओं की राशि अनावश्यक रूप से अलग-अलग बैंक खातों में पड़ी रहने के बजाय आवश्यकता के समय सीधे हितग्राही और विक्रेता तक पहुंचेगी। इससे सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अधिक प्रभावी ढंग से लोगों तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।



जन्म हुआ। केंद्र की एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था की तर्ज पर क्रियान्वयन केंद्र प्रायोगिक योजनाओं में भारत सरकार द्वारा लागू एकल नोडल एजेंसी व्यवस्था के अनुरूप राज्य सरकार द्वारा प्रयोगित चिन्हित योजनाओं में भी एस-एएनए मॉडल लागू किया जाएगा। इसके तहत योजनाओं के निधि प्रवाह की शुरुआत राज्य कोषागार/ई-कॉम से एस-एसएनए खाते तक होगी। इसके बाद क्रियान्वयन एजेंसियों को सीधे राशि हस्तांतरण करने के बजाय उनके निधि निर्धारित व्यय पर आधारित सीमा उपलब्ध कराई जाएगी। वास्तविक भुगतान के समय ही संबंधित विद्यार्थी या व्यक्ति को राशि जारी की जाएगी। एक योजना-एक बैंक खाता, लाभमा शुन्य राशि देहगी निष्पत्ति एएसएनए मॉडल की प्रमुख विशेषता आवश्यकता समय निधि जारी करना है। इसके तहत योजना जारी पहले से अलग-अलग खातों में जमा रखने बजाय वास्तविक आवश्यकता के समय ही भुगतान किया जाएगा। इससे बैंक खातों में अनावश्यक से पड़ी राशि कम होगी और योजनाओं की निधि का लाभमा शुन्य निष्पत्ति शेष सुनिश्चित किया जा सकेगा। इस व्यवस्था में मुख्य खाता और सहयोग खाते की प्रणाली के साथ प्रत्यक्ष लाभ अंतरण तर्ज पर-प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, दोनों प्रकार के भुगतान शामिल किए जा सकेंगे। जिला, विकासखण्ड, पंचायत और ग्राम स्तर की चिन्हित क्रियान्वयन एजेंसियों को भी इसके दायरे में लाया जा सकेगा। एएसएनए मॉडल से योजनाओं में निधि प्रवाह और व्यय की वास्तविक समय में निगरानी संभव होगी। विभागों को उपलब्ध निधि, जारी व्यय सीमा वास्तविक व्यय और अप्रयुक्त राशि की सूचना जानकारी प्राप्त होगी। डिजिटल प्रणाली निमांता जांचकर्ता आधारित लेखा-परीक्षा अभिलेख होने से वित्तीय लेन-देन की निगरानी

मजबूत होगी। इससे सरकारी राशि के दुरुपयोग, अनधिकृत भुगतान और बैंकिंग धोखाधड़ी को संभावनाओं पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने में मदद मिलेगी। वित्त मंत्री ओपी चौधरी ने कहा कि डिजिटल लेखा-परीक्षण अभिलेख और वास्तविक समय की निगरानी से प्रत्येक स्तर पर निधि के उपयोग की स्पष्ट जानकारी उपलब्ध होगी। इससे वित्तीय अय्यमितताओं को संभावना कम होगी और विभागों को अपने संसाधनों तथा व्यय की बेहतर योजना बनाने में मदद मिलेगी। निष्क्रिय राशि और अनावश्यक ऋण पर लगना अकुशल वर्तमान व्यवस्था में आवश्यकता से पहले राशि अहारित होने के कारण निष्क्रिय विभागीय खातों में बड़ी मात्रा में सरकारी धन निष्क्रिय पड़ा रहता है। प्रस्तावित व्यवस्था से इस समस्या को कम किया जा सकेगा। विभागीय निष्क्रिय खातों में लगभग 530 करोड़ रुपये तथा भारतीय रिजर्व बैंक के डीईईएफ खातों में लगभग 100 करोड़ रुपये की निष्क्रिय राशि जैसी समस्याओं पर भी प्रभावी नियंत्रण की उम्मीद है। सरकार की ओर से बताया गया कि एक और योजनाओं के लिए ऋण लेना का का भुगतान करना पड़ता है, जबकि दूसरी ओर विभिन्न बैंक खातों में सरकारी राशि निष्क्रिय पड़ी रहती है। एस-एसएनए मॉडल के माध्यम से उपलब्ध निधियों के बेहतर प्रबंधन से अनावश्यक ऋण की आवश्यकता कम होगी। इससे ब्याज भार और रास्वस घाटे को नियंत्रित करने में सहायता मिल सकती है। अर्जित वित्त राज्य की संचित निधि में होगा जमा एस-एसएनए व्यवस्था के तहत योजनाओं की राशि के प्रबंधन से अर्जित वित्त राज्य की संचित निधि में जमा किया जाएगा। इससे सार्वजनिक वित्तीय संसाधनों का अधिक कुशल उपयोग सुनिश्चित करने और राज्य की नकदी प्रबंधन क्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

राशिफल

मेष राशि: आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप किसी जरूरी कार्य को पूरा करने के लिए ऑफिस में स्टाफ के साथ विचार-विमर्श कर सकते हैं। आज आपके दाम्पत्य जीवन में



से अपने बिजनेस को आगे बढ़ाएंगी, जिसमें उनको अच्छा लाभ होगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप कारोबार में किसी बड़ी डील को फाइनल कर सकते हैं, जिसमें आपको बड़ा धन लाभ होगा। आज हर तरफ से मामलों पर आपको सकारात्मक रहना होगा। किसी समस्या पर दोस्तों से बातचीत हो सकती है, जिससे आपको अच्छा समाधान मिल सकता है।

निधुन राशि : आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी बड़ी कंपनी में ज्वाइनेट करने से पहले किसी एक्सपर्ट की सलाह अवश्य लें, जिससे आपको ज्यादा से ज्यादा लाभ हो सके। आज आप सरकारी कामों में नीति व नियमों पर पूरा ध्यान देंगे तो आपको काम करने में आसानी होगी। आज आप किसी भी काम में जल्दबाजी करने से बचेंगे तो आपके काम सहजता से पूरे हो जाएंगे।

कर्क राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप किसी भी काम को पूरी ईमानदारी और निष्ठा से करेंगे तो आपको सकारात्मक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी के साथ किसी समारोह में शामिल होने का अवसर प्राप्त होगा। आज आप दोस्त के साथ कहीं घूमने का प्लान बनाएंगे और कुछ काम की बात भी कर सकते हैं।

सिंह राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज आप किसी भी बड़े काम को करने से पहले माता-पिता और गुरु का आशीर्वाद अवश्य ले लें। आज आपको संतान के सहयोग से कारोबार को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी, जिससे सब अच्छे से हो जाएगा।

कन्या राशि: आज आपको दिन अच्छा रहेगा। आज आपको नौकरी में प्रमोशन मिलने की संभावना बनती दिख रही है। आज आप किसी बड़े प्रोजेक्ट में पैसा लगाने की सोच रहे हैं, तो पहले किसी समझदार व्यक्ति से सलाह जरूर ले लें। आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप बहुत अच्छे से पूरा करेंगे।

तुला राशि: आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज कारोबार में अधिक लाभ होने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा।

वृथिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। आज आपके अधिकतर काम सफल होंगे, आप धैर्य और संयम बनाए रखें। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ों की राय लेना आपके लिए बेहतर साबित होगा। साथ ही आप पिता की इच्छा पूरी करने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि: आज आपका दिन अच्छा रहेगा। आज आप जो भी काम शुरू करेंगे वह समय पर पूरा हो जाएगा। साथ ही आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। आज आप किसी चीज को समझने के लिए अनुभवी व्यक्ति से सलाह ले सकते हैं।

मकर राशि: आज आपका दिन फेवरलबल रहेगा। आज घर के बड़ों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जाएगा। साथ ही किसी शिष्टेदार से आपको खुशखबरी मिलेगी। आज जीवनसाथी आपकी हर बात समझने की कोशिश करेगे, इससे रिश्तों में अपनान बन रहेगा। आज सामाजिक कार्यों में संयोजन देने से आपको अच्छा फल होगा और जरूरतमंदों की मदद भी हो जाएगी।

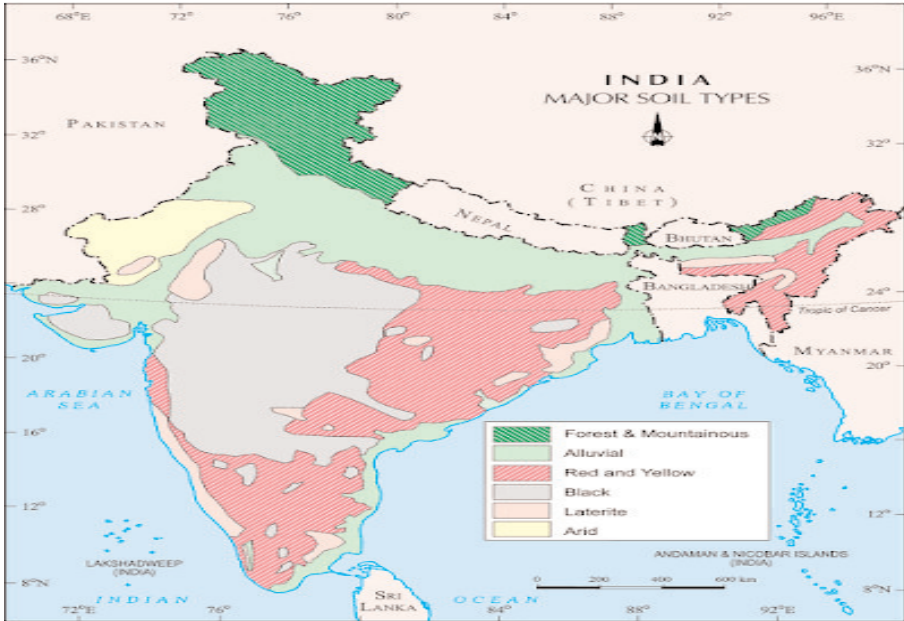
कुम धाँसः अज आणका ढिन सुथहाल बन रहन। अज आणध म आणक काम की तारीफ होनी, बॉस भी आपसे सुधा नजर आणगे। साथ ही किसी विशेष व्यक्ति से अज आपकी बात हो सकती है। अज आपको आर्थिक रूप से लाभ मिलेगा, धन के नए स्रोत प्राप्त होंगे। अज आपके सहकारी कार्य किसी उच्चाधिकारी के सहयोग से बन जाएंगे, जिससे आपको सुथरी मिलेगी।

नीन राशि: आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपको व्यापारिक लाभ कमाने का बेहतरीन अवसर प्राप्त होगा और आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आपको अपनी वाणी पर संयम बनाए रखने की जरूरत है तथा किसी बात को लेकर ज्यादा जिद करने से भी बचना चाहिए। आज आप सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे, समाज में आपका सम्मान होगा।

‘मृदा आसूचना’ भारत के विशाल अवसंरचना विस्तार को नया रूप दे रही है

एम.एल. जाट और एन.जी. पाटिल

भारत अनूतपूर्व और ऐतिहासिक गति से अपने डिजिटल, फिजिकल (भौतिक) और फिजिकल (मैजिकल) डिजिटल) भविष्य का निर्माण कर रहा है। देश हर वर्ष औसतन 4.5 लाख से अधिक रू० किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल नेटवर्क का विस्तार कर रहा है, जबकि साथ ही लगभग 11,000 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण एवं 6,500 किलोमीटर रेलवे ट्रेक का विद्युतीकरण किया जा रहा है और हर वर्ष लगभग 5,000 किलोमीटर रेलवे ट्रैक जोड़े जा रहे हैं। इस व्यापक विस्तार का अर्थ है कि देशभर में डिजिटल कनेक्टिविटी के 22.8 लाख किलोमीटर के आधारभूतक विस्तार वाले बहुपरिणामी राष्ट्रीय विस्तार के साथ-साथ, देश प्रतिदिन लगभग 30 किलोमीटर राजमार्ग और 12 से 15 किलोमीटर रेलवे लाइनों का निर्माण कर रहा है। फिर भी, जैसे-जैसे ये विस्तृत परिवहन नलियाएँ, अल्ट्रा-मेगा सोलर और विशाल डिजिटल गलियारे, वस्तुतः पा रहे हैं, कृषि विज्ञान के नेतृत्व में एक शांत तकनीकी सहयोग भूमि की सतह के ठीक नीचे हो रहा है। बड़े परियोजनाओं के लिए बोली लगाने वालों को अक्सर पहले से पड़ती की खुदाई को लागत का अनुमान तय करना पड़ता है, भले ही पहले से कोई भूवैज्ञानिक जानकारी उपलब्ध न हो। चूंकि परियोजनाओं की निविदा प्रक्रिया की समय-सीमा बहुत कम होती है, इसलिए त्वरित और विश्वसनीय मुदा संबंधी आंकड़े इस जोखिम को काफी दृढ़ तक कम कर सकते हैं। विश्लेषक तब, जब परियोजना भारत के बाहर स्थित-एन और स्थानीय भू-भाग संबंधी आंकड़ों तक पहुंच कर कटित हो। इसके अलावा, बोली जीतने के बाद, परियोजना क्रियान्वयन-कर्ताओं को बार-बार आने वाली करोड़ों रुपये की समस्या का सामना करना पड़ता है: नरम मिट्टी में आसानी से खुदाई करते हुए इंजीनियरिंग दल अचानक भूमिगत चट्टान को करार-इंजीनियरिंग से टकरा जाता है, या भ्रामक काली कापस मिट्टी पर बनाई गई नई सड़क में दरारें पड़ने लगती हैं और गहव खड्डने लगती हैं। काम रुक जाता है, मशीनों बेकाबू खड़ी रहती हैं और परियोजना की लागत आसमान छूने लगती है। इस महत्वपूर्ण सूचना अंतराल को पाटने के लिए, नागपुर स्थित आईसीएआरड्वारा राष्ट्रीय मुदा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएएसएस एवं एलपीओ) के वैज्ञानिकों ने एक क्रोचिकारी प्रतिमान विकसित किया है: मुदा आसूचना-आधारित पूर्वानुमानक इंजीनियरिंग दशकों से उपलब्ध मुदा विज्ञान संबंधी आंकड़ों को अदकत मशीन लर्निंग के साथ जोड़कर, आईसीएआर बुनियादी ढांचा योजनाकारों को जमीन में पहली फुटपट्टी लगने से पहले ही पृथ्वी के बारे में एएस-रेड डिफिड प्रदान कर रहा है—यह सिद्ध करते हुए कि कृषि अनुसंधान खेतों से कहीं आगे राष्ट्रीय विकास का एक आधारभूत चालक है। गति और विस्तार की अनेदखी की गई चुनौतियाँ तब में वर्तमान अवसरजन्य विस्तारकारी की अल्पक्षिप्त तीव्र गति के कारण परंपरिक नियोजन स्वयं एक बाधा बन गया है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, भारत का कुल डिजिटल ट्रेफिड्ट लगभग 19.35 लाख रुट किलोमीटर से बढ़कर 42.36 लाख रुट किलोमीटर से अधिक हो गया है, जो कई वर्षों में



हुए व्यापक विस्तार को दर्शाता है। इसी हालिया पांच-वर्षीय अवधि में, देश ने 57,125 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्गों का निर्माण किया है। इसी दौरान, भारतीय रेलवे ने 33,000 से अधिक रेल किलोमीटर का विद्युतीकरण किया है, जो औसतन लगभग 6,600 किलोमीटर प्रतिवर्ष है और ब्रॉड गेज नेटवर्क के विद्युतीकरण को लगभग 99.6% तक पहुंचता है। जिसको दर प्रतिदिन 15 से अधिक रेल किलोमीटर का विद्युतीकरण की है। स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में, भारत ने अपनी प्रमुख सौर योजना के तहत 54 से 56 बड़े पैमाने के सौर पार्कों को मंजूरी दी है, जिनकी स्वीकृत क्षमता लगभग 39.5 गीगावाट है, जिससे 100 से अधिक परिवारों को बिजली पार्कों की मदद से कुल शतक-माटेड सौर क्षमता 122 गीगावाट से अधिक हो गई है। इन विंशाल कार्य में शामिल कई सरकारी और निजी एंजिनियर्स—चाहे वे भूमिगत संचालकों को बिछाने, विद्युत परिपथ टावर खड़े करने या विंशाल सौर संचालकों को आधार प्रदान करने का काम कर रहे हैं—सटीक भूमिगत आंकड़ों पर अव्यक्ति निर्भर रहती हैं। फिर भी, पापरीक प्रारंभिक भू-तकनीकी सर्वेक्षण में काफी समय और लागत लगती है। चूँकि, परियोजनाएं इतनी तेजी से आगे बढ़ रही हैं, ये महत्वपूर्ण मृदा जांच अक्सर छोड़ दी जाती हैं। सीमित कर दी जाती हैं। इसका परिणाम? अनिश्चित भविष्य परियोजना रिपोर्ट (डोपीआर), भ्रामक लागत अनुमान और बोलोदत्ताओं के लिए गंभीर वित्तीय जोखिम। कृषि-असंचालन संबंध आर्सीएसएआर-एनबीएसएस एवं एलपीसी ने इस सूचना-अंतराल को दूर प्रमाणित, समय-परीक्षित प्रौद्योगिकी के माध्यम से दूर किया है, जो पूरे भारत और कई अन्य देशों में काम करती है। उपग्रह रिमोट सेंसिंग और मशीन लर्निंग का उपयोग करके, आर्सीएसएआर स्थल-विश्लेषण भू-तकनीकी मुद्दों, जैसे मृदा की गहराई, अंतिम वहन क्षमता (सिविल इंजीनियरिंग संरचना को सहारा देने में निर्णायक कारक), स्थूल घनत्व आदि का पूर्वानुमान लगाता है, जिसके लिए भूमि की धीमी गति में और विघटनकारी ड्रिलिंग का आवश्यकता नहीं

होती। यह पद्धति पूरी तरह स्वचालित पाइपलाइन के अंतर्गत बह-सुती भू-स्थानिक इन्पुट पर मशीन-लर्निंग सिशियन मॉडल का उपयोग करती है। उपग्रह चित्रों, डिजिटल एलिवेशन मॉडल, भू-भाग की ढलान संबंधी व्युत्पन्न आंकड़ों, लिथोलॉजी और भूगर्भ स्तर को संसाधित करके, आईसीएआर का मुद्रा वर्गीकरण मॉडल ईनन सटीक, स्थल-विशेष पूर्वानुमान तैयार करता है। यह प्रणाली मृदा की गहराई (नम, कठोर या मिश्रित) को भी कतरी गहराई) और अन्य मापदंडों का सटीक पूर्वानुमान लगाती है। इन मापदंडों का उपयोग इंजीनियरिंग एंजिंसों द्वारा प्रारंभिक भू-तकनीकी डिजाइन, विस्तृत परीक्षण रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने और बोली-पूर्व लाइन अनुमान के लिए सीसीए करने किया जाता है। पारंपरिक क्षेत्र सर्वेक्षणों की तुलना में, यह डिजिटल समाधान ताप और समय दोनों में 75% की कमी करता है। तीन सदस्यों के एक छोटी टीम प्रतिदिन लगभग 1,000 किलोमीटर लंबे मार्ग को संसाधित कर सकती है, जिससे यह बड़े पैमाने पर, समयबद्ध राष्ट्रीय नियोजन के लिए विशेष रूप से उपयुक्त बन जाता है। भारतभर में 50,000 किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में इस पूर्वानुमानात्मक दृष्टिकोण का सत्यापन करने के बाद, क्षेत्र में सत्यापित आंकड़ों के मुकाबले लगभग 80% की पूर्वानुमान सटीकता (स्ट्रैटिफिकेशन) प्राप्त हुई है, यहां तक कि कम आंकड़ों वाले क्षेत्रों में भी। अब इन परियोजना विधियों (एप्प्लाइड) को मानकीकृत कर दिया गया है। वैश्विक उपस्थिति को जागरूकता विश्वसनीयता इस प्रणाली का भारत के अत्यंत विविध भौगोलिक क्षेत्रों में कठोर क्षेत्र-परीक्षण किया गया है—उत्तराखंड क्षेत्रों और असम के हिमालयी पर्वतीय क्षेत्रों से लेकर राजस्थान के थार मरुस्थल तथा दक्कन के पठार और सिंधु-गंगा के मैदानों तक। क्षेत्रीय आंकड़ों के आधार पर निजी अक्सरचाना कंपनियां भारत और अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों में 2,00,000 से अधिक स्ट्रैट-किलोमीटर की अपना भू-मानचित्रण करने के लिए इस प्रणाली को अपना चुकी

है, जिससे आईसीएआर के अनुसंधान परितंत्र के लिए संसाधन जुटाने के साथ-साथ बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की बचत भी हो रही है। आईसीएआर की कंपनियों को आगे बढ़ने तथा वैश्विक कंपनियों के साथ प्रतियोगिता करने में सफल बनाया जा रहा है। अडानी ट्रांसमिशन लिमिटेड, स्तरलाइट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड, टाटा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड और कई सी ईररेशनल लिमिटेड सहित प्रमुख वैश्विक अक्सरचना कंपनियों ने इस समझौते को अपनाया है। कईसी ईररेशनल जैसी अंतरराष्ट्रीय कंपनी, जो 100 से अधिक देशों में परंपरा लाइनों को डिजाइन और इनका निर्माण करती है, के लिए मुद्रा संबंधी आईसीएआर अतिरिक्त के लिए एक महत्वपूर्ण निष्कर्ष है।

नींव संबंधी गतिविधियां और परियोजना जोरिम पूरी तरह मुद्रा के प्रकार पर निर्भर करते हैं। ऐसे उद्योग में जहां 6,000 करोड़ रुपये से अधिक के राजस्व आधार पर मासिक रूप में मामूली 0.1% की कमी भी 6 करोड़ रुपये के वार्षिक नुकसान में बदल जाती है, सड़क मुद्रा अस्पृश्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। संयुक्त अरब अमीरात, सऊदी अरब, नाइजर, रूस, चीन, मोरॉको, मोल्दोवा, मैक्सिको, मलेशिया, अबुधाबी, नेपाल, बालादेश और यूटनीज जैसे भीमांतिक रूप से जटिल देशों में परंपरा लाइन परियोजनाओं के लिए बोली लगाते समय, मुद्रा संबंधी आंकड़ों की कमी या वास्तविक स्थिति का अर्थ इसकी प्रतिनिधित्व न करने वाले आंकड़े लाभप्रदाता को प्रभावित कर सकते हैं।

आईसीएआर की प्रोग्रामों की विषयवस्तु तृतीय-पक्ष सत्यापन प्रदान करती है, जो ग्राहकों की परियोजनाओं का ज्ञान को धारा मुद्रा की स्थिति के संबंध में किए गए दावों की जांच के लिए एक निष्पक्ष सत्यापनकर्ता के रूप में कार्य करती है, जिससे बोली लागू में विश्वास बढ़ता है। छोटी लागत वाली निविदाओं के मामले में, जहां समग्र या विषय सीमाओं के कारण भीतिक सर्वेक्षण संभव नहीं होते, यह पूर्वानुमानात्मक आंकड़ा इस कमी को पूरा करता है। राष्ट्रीय गणति की प्रेरक इस आंकड़े को और विश्लेषण की सफलता ने अवसरका क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों को आईसीएआर की प्रोग्रामों की विश्वविद्यालयव्यवसायिक इकायों में व्यापक रूप से लागू करने के लिए प्रेरित किया है, जिससे इसकी उपयोगिता विद्युतवारेणला लाइनों से आगे बढ़कर रेलवे, सौर ऊर्जा प्रस्तावों और भूमिगत केबलिंग तक विस्तृत हो गई है। उन्नत मुद्रा विज्ञान का उपयोग करके राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय निर्माण गतिशीलता के जोरिम को कम करते हुए, कृषि अनुसंधान ने स्वयं को भारत की व्यापक आर्थिक वृद्धि के एक अपरिहार्य चालक के रूप में सिद्ध कर दिया है। यह प्रोग्रामोंकी दशती है कि मुद्रा विज्ञान में निवेश केवल देश का पेट नहीं भरता, बल्कि उसके वैश्विक भविष्य की आधारशिला भी तैयार करता है। इस सफलता के आधार पर, आईसीएआर के वैज्ञानिक अब 90 मीटर रिजॉल्यूशन वाले मुद्रा गहराई मानचित्र और हाल ही में इसी रिजॉल्यूशन वाले मुद्रा बनावट मानचित्र जैसे पूर्वानुमानात्मक डिजिटल मुद्रा मानचित्र भी आत्मविश्वास के साथ तैयार कर रहे हैं। ये मानचित्र निकट भविष्य में भारत को डिजिटल कृषि की दिशा में मजबूती से आगे बढ़ाएंगे, विशेष रूप से भारत के किसानों को भूखंड-विशेष सामाना उपलब्ध कराने में। (लेखक एम.एल. जाट कृषि एवं किसान शिक्षा विभाग (पीएआर) के सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक हैं, एन.जी. पाटिल आईसीएआर-राष्ट्रीय मुद्रा सर्वेक्षण एवं भूमि उपयोग नियोजन ब्यूरो (एनबीएसएस एवं एलपीबी), नागपुर के निदेशक हैं)



रोहित रॉय के डस्टबिन मीडियम वाले बयान से चाहत खन्ना सहमत, बोलीं- कहानी और क्रिएटिविटी में टीवी कहीं नहीं

एक्ट्रेस चाहत खन्ना ने टीवी इंडस्ट्री को लेकर चल रही बहस के बीच रोहित रॉय के हालिया विवादित बयान पर अपनी राय रखी है। रोहित ने अपने एक इंटरव्यू में टीवी को डस्टबिन मीडियम तक कह दिया था और मौजूदा टीवी कंटेंट की क्वालिटी, कॉन्सेप्ट और क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। अब चाहत खन्ना ने भी माना है कि अगर बात कहानी और क्रिएटिविटी की हो तो टीवी इस समय फिल्मों और ओटीटी से काफी पीछे है।

हालांकि, चाहत ने यह भी साफ किया कि उन्होंने रोहित का पूरा इंटरव्यू नहीं देखा है, इसलिए वह उनके पूरे बयान पर कमेंट नहीं करना चाहतीं। चाहत ने कहा, मैं खुद टीवी से आई हूं और इस माध्यम की बहुत इज्जत करती हूं। टीवी ने मुझे एक एक्टर के तौर पर मजबूत बनाया है। यहां एक्टर्स को लंबे समय तक लगातार शूटिंग करनी पड़ती है। कई बार 12 से 15 घंटे तक शूट करना सामान्य बात लगती है। फिल्मों में काम करने का तरीका अलग है और वहां क्रिएटिविटी को



अलग तरह से ट्रीट किया जाता है। वहीं ओटीटी में भी कहानी की डिटेलिंग और क्रिएटिविटी का तरीका टीवी से काफी अलग है।

एक्ट्रेस ने रोहित रॉय की बात के उस हिस्से से सहमत जताई, जिसमें उन्होंने टीवी के मौजूदा कॉन्सेप्ट और

क्रिएटिविटी पर सवाल उठाए थे। चाहत ने कहा, अगर कहानी और क्रिएटिविटी की बात की जाए तो टीवी को अभी काफी आगे जाने की जरूरत है। टीवी का कंटेंट मास ऑडियंस को ध्यान में रखकर तैयार किया जाता है। दर्शक जिस तरह की कहानियां और शोज देखना चाहते हैं, मेकर्स भी उसी डिमांड के हिसाब से कंटेंट बनाते हैं। यह पूरी तरह बिजनेस का हिस्सा है। अगर किसी तरह का कंटेंट बड़ी संख्या में लोग देख रहे हैं, तो उसे बार-बार बनाए जाने के पीछे एक मार्केट डिमांड भी होती है।

चाहत ने अपने करियर का उदाहरण देते हुए बताया, मुझे कई ऐसे टीवी शोज के ऑफर मिलते हैं, जिनसे मैं खुद कनेक्ट नहीं कर पाती। खासतौर पर नागिन जैसे शोज, जिनसे मैं जुड़ नहीं पाती। अगर कोई एक्टर क्रिएटिव है तो उसके लिए टीवी के कुछ मौजूदा कॉन्सेप्ट से जुड़ना मुश्किल हो सकता है।

चाहत ने आगे कहा, अगर मैं ऐसे प्रोजेक्ट्स से जुड़ पाती तो शायद करियर के लिए चीजें और बेहतर होती। जो चीज मुझे पसंद आती है और जिससे मैं खुद जुड़ाव महसूस करती हूं, वही काम करना मेरे लिए ज्यादा जरूरी है।

गौरतलब है कि रोहित रॉय ने हाल ही में एक इंटरव्यू में टीवी और फिल्मों के बीच के फर्क पर बात की थी। टीवी के पॉपुलर चेहरों में शामिल रहे रोहित ने कहा था कि मौजूदा समय में टीवी पर आने वाला काफी कंटेंट जल्दी भुला दिया जाता है और कई शोज में एक जैसे कॉन्सेप्ट दोहराए जाते हैं। उन्होंने टीवी को डस्टबिन मीडियम बताया हुए इसकी क्रिएटिविटी पर सवाल उठाया था।

सिद्धार्थ-तमन्ना की फिल्म द वन का ट्रेलर जारी, जंगल का खौफनाक रहस्य उड़ा देगा होश

सिद्धार्थ मल्होत्रा की बहुप्रतीक्षित फिल्म द वन- फोर्स ऑफ द फरेस्ट का ट्रेलर रिलीज हो गया है। बालाजी मोशन पिक्चर्स और द वायरल फोवर द्वारा निर्मित, यह एक अलौकिक लोककथा और पौराणिक-थ्रिलर है, जिसमें तमन्ना भाटिया भी मुख्य किरदार में नजर आएंगी। निर्देशन दीपक कुमार मिश्रा ने किया है। सुनील ग्रोवर, मनीष पॉल, श्वेता तिवारी और अपून सोनी भी इसका हिस्सा हैं। फिल्म की कहानी बिहार में स्थित 16वीं सदी के वन देवी मंदिर की लोककथाओं से प्रेरित है।ट्रेलर भारतीय लोककथाओं से प्रभावित एक ऐसी दुनिया की झलक दिखाता है, जहां मानवीय संघर्ष अलौकिक शक्तियों और प्राचीन मान्यताओं से टकरा सकते हैं।फिल्म 'द वन' का ट्रेलर की शुरुआत एक दमदार लाइन के साथ हुई है, ट्रेलर में सुनाई देता है कि अगर कोई रात में इस वन में प्रवेश करता है तो उसकी लाश भी नहीं मिलती है.

टीवी पर करेंगी वापसी रश्मि देसाई, बोलीं- कमबैक नहीं, एक मकसद की तलाश थी

उतरन में तपस्या के किरदार से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री रश्मि देसाई एक लंबे ब्रेक के बाद फिर छोटे पर्दे पर लौटने के लिए तैयार हैं। वह करीब आठ साल से फिक्शन टीवी से दूर थीं। इस दौरान उन्हें कई शोज के ऑफर मिले, लेकिन वह हर कहानी के साथ जुड़ाव महसूस नहीं कर पाई और कई प्रोजेक्ट्स को मना कर दिया।

अब रश्मि को ऐसी कहानी और किरदार मिला है, जिसे लेकर वह काफी उत्साहित हैं। अभिनेत्री जल्द ही नए शो सयानी में माया का किरदार निभाती नजर आएंगी। रश्मि ने कहा, इन सालों में मैं टीवी पर वापस आने के लिए किसी अच्छे प्रोजेक्ट का इंतजार कर रही थीं। मैं ऐसा काम करना चाहती थीं, जिसके पीछे कोई वजह और मकसद हो।

एक कलाकार के लिए लगातार स्क्रीन पर दिखाई देना ही सबसे जरूरी चीज नहीं है। मेरे लिए कहानी और किरदार का मजबूत होना ज्यादा मायने रखता है। इसी वजह से मैंने कई ऑफर मिलने के बावजूद जल्दबाजी में किसी शो का हिस्सा बनने से परहेज किया। सयानी में अपने किरदार माया के बारे में बात करते हुए रश्मि ने कहा, माया मेरे लिए सिर्फ एक काल्पनिक किरदार नहीं है।



स्वास्थ्य के लिए लाभदायक हो सकता है केसर बादाम का दूध, जानिए इसके 5 फायदे



केसर बादाम के दूध का सेवन करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और यह कई जरूरी पोषक तत्वों से भरपूर होता है। इसके अलावा इसमें मौजूद केसर और बादाम के कारण इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। केसर बादाम दूध का सेवन सभी उम्र के लोगों के लिए फायदेमंद है। इस लेख में हम केसर बादाम के दूध के कुछ स्वास्थ्य लाभों के बारे में जानेंगे, जो आपके जीवनशैली को और बेहतर बना सकते हैं।

पाचन को बेहतर बनाने में सहायक

केसर बादाम दूध का सेवन पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है।इसमें मौजूद केसर और बादाम पाचन के लिए जरूरी तत्वों को सक्रिय करते हैं, जिससे खाना सही तरीके से पचता है।इसके अलावा इसमें मौजूद फाइबर भी पाचन प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है। इस पेय का नियमित सेवन कब्ज, पेट की समस्याओं और पेट दर्द जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

दिल को स्वस्थ रखने में मददगार

दिल के लिए भी केसर बादाम दूध का सेवन फायदेमंद हो सकता है। इसमें मौजूद अच्छे वसा दिल की बीमारियों के खतरे को कम कर सकते हैं।

इसके अलावा इसमें ऐसे तत्व होते हैं, जो रक्त के प्रवाह को बेहतर बनाते हैं और रक्तचाप को नियंत्रित रखने में सहायक हैं।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से दिल की समस्याओं का खतरा भी कम हो सकता है।

शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में प्रभावी

केसर बादाम दूध शरीर की सुरक्षा को बढ़ावा देने में भी मददगार हो सकता है।इसमें मौजूद तत्व शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाते हैं, जिससे संक्रमण और बीमारियों से लड़ने की शक्ति बढ़ती है।

इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-सी और विटामिन-ई भी प्रतिरोधक क्षमता को सहारा देते हैं। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप स्वस्थ रह सकते हैं और बीमारियों से दूर रह सकते हैं।

मानसिक स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद

मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी केसर बादाम दूध फायदेमंद साबित हो सकता है।इसमें मौजूद केसर तनाव और उदासी जैसी मानसिक समस्याओं को कम करने में मदद करता है।इसके अलावा इसमें मौजूद खनिज मग्निफ़्क की कार्यक्षमता को सुधारने में सहायक होते हैं।

नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आप मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकते हैं और बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं।

त्वचा और बालों की देखभाल के लिए अच्छा

केसर बादाम दूध त्वचा और बालों की देखभाल के लिए भी अच्छा माना जाता है। इसमें मौजूद विटामिन-ई त्वचा को नमी प्रदान करता है और झुर्रियों को कम करने में मदद करता है।

इसके अलावा इसमें मौजूद विटामिन-ए बालों की जड़ों को मजबूत बनाता है और उन्हें झड़ने से रोकता है। नियमित रूप से इस पेय का सेवन करने से आपको त्वचा और बाल स्वस्थ रहते हैं।

हनुमान अंश और मिर्जापुर: द मूवी पर हो रही नोटों की बारिश, हैवान का हुआ बंटाधार



विशाल चतुर्वेदी की फिल्म हनुमान अंश ने महज 10 लाख रुपये से ओपनिंग की थी। वर्ड ऑफ माउथ की बंदौलत किस्मत ने ऐसी पलटी मारी कि अब इसकी कमाई से निर्माता भी मालामाल हो रहे हैं। रिलीज का एक महीना पूरा करने के बावजूद इसने बॉक्स ऑफिस पर अपनी मजबूत पकड़ बना रखी है। अली फजल की फिल्म मिर्जापुर: द मूवी भी लगातार अपना शानदार प्रदर्शन दिखाती आ रही है, जबकि हैवान पहले ही हफ्ते में धाराशाही हो चुकी है।

सैकनिल्क के मुताबिक, हनुमान अंश ने रिलीज के 40वें दिन 8.25 करोड़ रुपये कमाए हैं, जो कारोबारी दिनों के लिहाज से बेहतरीन आंकड़ा है।

इसकी भारत में अब कुल नेट कमाई 231.13 करोड़ रुपये हो चुकी है। विश्व स्तर पर इसने 291.40 करोड़ रुपये का कारोबार कर लिया है।

उधर, मिर्जापुर: द मूवी 12वें दिन 5.50 करोड़ रुपये कमाते हुए लगातार टक्कर दे रही है। इसका कुल नेट कलेक्शन 195.70 करोड़ और वर्ल्डवाइड कमाई 281.14 करोड़ रुपये हो गई है।

सैकनिल्क के मुताबिक, हैवान ने रिलीज के 5वें दिन कुल 70 लाख रुपये कमाए हैं।

पिछली कमाई देखें, तो इसने चौथे दिन 70 लाख, तीसरे दिन 1.85 करोड़, दूसरे दिन 2.50 और पहले दिन 3 करोड़ रुपये कमाए थे। इसका कुल कलेक्शन 8.75 करोड़ रुपये हुआ है।

विदेशी कमाई के साथ भी फिल्म अब तक 13.61 करोड़ रुपये कमा पाई है।

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित यह सर्पेस-थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अक्षय कुमार और सैफ अली खान मुख्य किरदारों में हैं।

वह एक बहुत ही प्रैक्टिकल और जमीन से जुड़ा किरदार है। जब यह कहानी और किरदार मेरे सामने आए, तो मुझे इसमें वह जुड़ाव महसूस हुआ, जिसका मैं इतने समय से इंतजार कर रही थीं। रश्मि ने अपने टीवी कमबैक को लेकर कहा, मैं टीवी पर कमबैक नहीं, बल्कि एक मकसद तलाश रही थी। एक कलाकार के तौर पर हमें कई मौक मिलते हैं, लेकिन सिर्फ दिखाई देना, काम करना और पैसे कमाना जरूरी नहीं है।

आपको कुछ ऐसा करना चाहिए, जिसके लिए लोग आपको याद रखें। मैं इसी वजह से जानी जाती हूं। सयानी में वह चमक है। मुझे लगता है कि इसकी कहानी कलाकारों से भी बड़ी है। बता दें कि रश्मि ने टीवी इंडस्ट्री में काफी लंबा सफर तय किया है। उन्होंने साल 2006 में हिंदी टेलीविजन पर रावण से डेब्यू किया था। हालांकि, उन्हें असली पहचान उतरन में तपस्या का किरदार निभाने के बाद मिली।

इस शो ने रश्मि को टीवी के चर्चित चेहरों में शामिल कर दिया। इसके बाद रश्मि ने फिक्शन के साथ-साथ कई रियलिटी शोज में भी हिस्सा लिया। वह परो हूं मैं, झलक दिखा ला 5, फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 6, जरा नचके दिखा 2 और नच बलिए 7 जैसे शोज में नजर आईं। उन्होंने फ़िल्मों में भी काम किया और सलमान खान की फिल्म दबंग 2 में स्पेशल अपीयरेंस किया था।रश्मि को पिछली छोटी पर्दे की मौजूदगी वागले की दुनिया- नई पीढ़ी नए किस्से में देखने को मिली थी। यह शो मशहूर कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण के बनाए किरदारों, खासकर द कॉमन मैन से प्रेरित था। सयानी का प्रीमियर 23 सितंबर को स्टार प्लस और जियोहॉटस्टार पर होगा।

ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीदने जा रहे हैं तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

बालों को चमकदार बनाते हैं।

तापमान नियंत्रण होना चाहिए जरूरी

सही तापमान नियंत्रण वाला हेयर स्ट्रेटनर आपके बालों की सुरक्षा के लिए बहुत जरूरी है।ऐसे स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें तापमान सेटिंग्स हों ताकि आप अपने बालों के प्रकार और जरूरतों के अनुसार तापमान सेट कर सकें।कम तापमान पर हल्के और पतले बालों के लिए, जबकि ज्यादा तापमान पर घने और कड़े बालों के लिए काम करना चाहिए। इससे आपके बालों को नुकसान नहीं होगा और वे स्वस्थ रहेंगे।

प्लेट्स का आकार देखें

हेयर स्ट्रेटनर का आकार भी महत्वपूर्ण होता है।अगर आपके बाल मोटे और घने हैं तो चौड़े प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर लें ताकि एक बार में ज्यादा बाल स्ट्रेटन हो सकें, वहीं अगर आपके बाल पतले या बारीक हैं तो पतले प्लेट्स वाला स्ट्रेटनर बेहतर रहेगा क्योंकि इससे छोटे हिस्सों तक आसानी से पहुंचा जा सकता है।इसके अलावा छोटे और मध्यम आकार के बालों के लिए भी अलग-अलग आकार के स्ट्रेटनर उपलब्ध होते हैं।

सुरक्षा सुविधाएं हों अलमध्य

बालों को सीधा करते समय सुरक्षा सुविधाएं बहुत अहम होती हैं। ऐसे हेयर स्ट्रेटनर चुनें, जिनमें ऑटोमैटिक बंद होने का फीचर हो ताकि लंबे समय तक उपयोग न करने पर यह अपने आप बंद हो जाएं। इससे आग लगने जैसी घटनाओं से बचाव होता है।

इसके अलावा हीट-प्रूफ टिप्स भी होनी चाहिए ताकि आप आसानी से इसे पकड़ सकें बिना जलने के खतरे के। इन सुविधाओं से आपको अनुभव सुरक्षित और आरामदायक रहेगा।

ब्रांड और रिव्यूज़ पर दें ध्यान

जब आप ऑनलाइन हेयर स्ट्रेटनर खरीद रहे हों तो ब्रांड का चयन सोच-समझकर करें।

अच्छे ब्रांड्स आमतौर पर गुणवत्ता और सेवा में बेहतर होते हैं।साथ ही ग्राहकों द्वारा लिखे गए रिव्यूज़ पढ़ें ताकि आपको उत्पाद की वास्तविकता पता चल सके। इससे आपको सही जानकारी मिलेगी और आप गलत चयन से बच सकेंगे।इस तरह इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपने लिए एक बेहतरीन हेयर स्ट्रेटनर चुन सकते हैं।

एशियाई खेल : पीवी सिंधु त्वार्टर फाइनल में हारीं, बैडमिंटन में भारत का सफर खत्म

आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में खेले जा रहे एशियाई खेलों में रविवार को भारत को बैडमिंटन में निराशा हाथ लगी। महिला एकल में दिग्गज खिलाड़ी पीवी सिंधु कड़े मुकाबले में हार गईं, जबकि युवा खिलाड़ी उज्जित हुड्डा को भी महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में हार का सामना करना पड़ा। महिला युगल और मिश्रित युगल में भी भारत को हार मिली। बैडमिंटन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में भारत की स्टार शटलर पीवी सिंधु चीन की चैन यू फेई से कड़े मुकाबले में 21-11, 18-21, 10-21 से हार गईं। मुकाबले में सिंधु ने शानदार शुरुआत की और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। हालांकि, दूसरे गेम में चैन यू फेई ने जोदार वापसी की। दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन चीनी खिलाड़ी ने 21-18 से गेम जीतकर मुकाबला बराबरी पर ला दिया। निर्णायक गेम में चैन ने शुरुआत से ही बढ़त बनाए रखी और 21-10 से गेम जीतकर



सेमीफाइनल में जगह बना ली। सिंधु ने एशियाई खेलों के इस संस्करण में राउंड ऑफ 32 में चीनी ताइपे की चिउ पिन-चियान को 21-19, 21-14 से हराया था। इसके बाद उन्होंने राउंड ऑफ 16 में जापान की टोमोका मियाजकी को 21-9, 21-13 से हराकर

क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। सिंधु ने एशियाई खेलों में अब तक दो पदक जीते हैं, लेकिन इस बार उनका तीसरा पदक जीतने का सपना क्वार्टर फाइनल में टूट गया। उज्जित ने यामागुची को दो कड़ी चुनौतीमहिला एकल के एक अन्य क्वार्टर फाइनल में 19 वर्षीय उज्जित

हुड्डा को जापान की अकाने यामागुची के खिलाफ 16-21, 21-14, 17-21 से हार झेलनी पड़ी। उज्जित ने दुनिया की शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल यामागुची को कड़ी चुनौती दी, लेकिन निर्णायक गेम में जापानी खिलाड़ी ने बाजी मार ली। उज्जित ने इससे पहले राउंड ऑफ 32 में मलेशिया की लिंग चिंग वॉंग को 21-14, 20-22, 21-19 से हराया था। इसके बाद उन्होंने इंडोनेशिया की कुसुमा वर्दानी को 21-19, 21-13 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया था। महिला और मिश्रित युगल में भी मिली हारइससे पहले भारत की टीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी को महिला युगल क्वार्टर फाइनल में मलेशिया की थिनाह मुरलीथरन और पर्ली टैन ने 21-18, 21-9 से हराया। वहीं मिश्रित युगल क्वार्टर फाइनल में तनिशा क्रैस्टो और ध्रुव कपिला को चीन की जोड़ी यान जे फेंग और डोंगपिंग हुआंग के खिलाफ 14-21, 21-18, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेल : मुरली श्रीशंकर और डेविड सोलोमन लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल में

महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भी भारत को मिली सफलता

आइची-नागोया (जापान)। भारतीय एथलीट मुरली श्रीशंकर और डेविड पट्टराज सोलोमन ने रविवार को आइची-नागोया में जारी एशियाई खेलों में पुरुषों की लंबी कूद स्पर्धा के फाइनल में जगह बना ली है। श्रीशंकर ने क्वालिफिकेशन राउंड ग्रुप बी में 7.84 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ दूसरा स्थान हासिल किया, जबकि डेविड सोलोमन क्वालिफिकेशन ग्रुप ए में 7.62 मीटर की सर्वश्रेष्ठ छलांग के साथ तीसरे स्थान पर रहे। फाइनल कल यानी 28 सितंबर को खेला जाएगा। श्रीशंकर ने पहले प्रयास में 7.67 मीटर की छलांग लगाई थी और तीसरे प्रयास में 7.08 मीटर की छलांग लगाई। उनकी दूसरे प्रयास में लगाई गई 7.84 मीटर की छलांग सर्वश्रेष्ठ रही, जिसके चलते उन्होंने फाइनल

में जगह बनाई। डेविड ने पहले प्रयास में 7.61 मीटर की छलांग लगाई थी। उनकी दूसरे प्रयास में 7.62 मीटर की छलांग सर्वश्रेष्ठ रही। इसके अलावा महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में भी भारत को सफलता मिली। भारतीय खिलाड़ी विथ्या रामराज और अनु राघवन ने अपनी-अपनी हीट में दूसरा स्थान हासिल करते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

विथ्या ने 55.73 सेकंड का सत्र का सर्वश्रेष्ठ समय निकाला, जबकि अनु ने 55.84 सेकंड के साथ अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। फाइनल कल 28 सितंबर को खेला जाएगा। भारत के संतोष कुमार तमिलरासन ने अपनी हीट में 49.61 सेकंड का समय लेकर दूसरा स्थान हासिल किया और पुरुषों की 400 मीटर बाधा दौड़ के फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। उनके साथी यशस पलक्षा अपनी हीट पूरी नहीं कर पाए।



आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में रविवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के फाइनल में भारत की हरिता भद्रा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। हरिता ने 23.20 सेकंड में दौड़ फिनिश कर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने जापान की अबिगीरुफुका इडो को महज 0.01 सेकंड से पीछे छोड़ा। इडो ने 23.21 सेकंड का समय दर्ज किया। फाइनल में शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिंगापुर की शांति पेरा ने 22.78 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की चैन युजी ने 22.93 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। तीसरे स्थान के लिए हरिता और इडो के बीच आखिरी क्षण तक मुकाबला

एशियाई खेल : हरिता भद्रा ने 200 मीटर फाइनल में जीता कांस्य



आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में चल रहे एशियाई खेलों में रविवार को महिलाओं की 200 मीटर दौड़ के फाइनल में भारत की हरिता भद्रा ने कांस्य पदक अपने नाम किया। हरिता ने 23.20 सेकंड में दौड़ फिनिश कर तीसरा स्थान हासिल किया। उन्होंने जापान की अबिगीरुफुका इडो को महज 0.01 सेकंड से पीछे छोड़ा। इडो ने 23.21 सेकंड का समय दर्ज किया। फाइनल में शुरुआत से ही कड़ी टक्कर देखने को मिली। सिंगापुर की शांति पेरा ने 22.78 सेकंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि चीन की चैन युजी ने 22.93 सेकंड के साथ रजत पदक हासिल किया। तीसरे स्थान के लिए हरिता और इडो के बीच आखिरी क्षण तक मुकाबला

बेहद करीबी रहा, लेकिन अंत में हरिता के तीसरे स्थान पर रहने की पुष्टि हुई। इस तरह उन्होंने 23.20 सेकंड के समय के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। हरिता ने प्रतियोगिता के दौरान अच्छा प्रदर्शन किया। उन्होंने महिलाओं की 200 मीटर स्पर्धा के पहले दौर की हीट में 23.31 सेकंड का शानदार समय निकालकर दूसरा स्थान हासिल किया था और सीधे फाइनल के लिए क्वालीफाई किया था। भारत की एक अन्य धाविका उज्जाथी अयप्पा ने फाइनल में 23.46 सेकंड का समय निकालकर छठा स्थान हासिल किया। उज्जित ने इससे पहले हीट में 23.33 सेकंड का व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय निकालकर फाइनल में जगह बनाई थी।



नागोया में एशियाई खेलों के दौरान चीन की तैराकी टीम मिश्रित टीम एकोबेटिक मुकाबले में भाग लेती हुई।

संक्षिप्त समाचार

डीएचएल एक्सप्रेस भारत में एक जनवरी से माल

दुलाई शुल्क में 8.9 फीसदी की करेगी बढ़ोतरी

नई दिल्ली। दुनिया की सबसे बड़ी और अग्रणी अंतरराष्ट्रीय लॉजिस्टिक सेवा प्रदाता कंपनी डीएचएल एक्सप्रेस ने शनिवार को कहा कि वह भारत में माल दुलाई शुल्क में 8.9 फीसदी वृद्धि करेगी, जो एक जनवरी 2027 से लागू होगी। डीएचएल एक्सप्रेस ने एक बयान में यह जानकारी दी। बयान के मुताबिक यह वार्षिक मूल्य समायोजन वैश्विक स्तर पर बढ़ते हुए परिचालन खर्चों को संतुलित करने के लिए किया गया है। सालाना शुल्क में यह वृद्धि मुद्रास्फीति के दबाव, मुद्रा में उतार-चढ़ाव और उद्योग-विशिष्ट लागतों में वृद्धि जैसे विभिन्न कारकों की वजह से की जाएगी। कंपनी ने बताया कि मुद्रास्फीति के अलावा, उसकी लागत संरचना ऊर्जा खर्च, अनुपालन आवश्यकताओं तथा राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्राधिकरणों द्वारा लागू किए जाने वाले बदलते सीमा शुल्क से भी लगातार प्रभावित हो रही है। डीएचएल एक्सप्रेस के दक्षिण एशिया के वरिष्ठ उपाध्यक्ष आरएएस सुब्रमन्यन ने कहा, यह वार्षिक मूल्य समायोजन हमें सेवा और विश्वसनीयता के उस उच्चस्तर को बनाए रखने में सहाय बनाना है, जिसकी हमारे ग्राहक अपेक्षा करते हैं। साथ ही यह हमारे वैश्विक परिचालन के लचीलेपन और अनुकूलन क्षमता को भी मजबूत करता है। सुब्रमन्यन ने कहा, हम अपने वैश्विक नेटवर्क, डिजिटल क्षमताओं, सुरक्षा बुनियादी ढांचे और टिकाऊ लॉजिस्टिक समाधानों में निवेश करके अपने ग्राहकों को इस बदलते परिवेश में आगे बढ़ने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

भारत 10 फीसदी से अधिक की आर्थिक

वृद्धि दर कर सकता है हासिल : सीतारमण

नई दिल्ली/बेंगलुरु। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को भरोसा जताया कि भारत 10 फीसदी से ज्यादा की आर्थिक वृद्धि दर हासिल कर सकता है। इसके साथ ही उन्होंने सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी और नवाचार को बड़े पैमाने पर अपनाने की जरूरत पर बल दिया। सीतारमण ने आईआईटी मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन द्वारा यहां आयोजित एक फायरसाइड चैट में यह बात कही। उन्होंने कहा कि ज्यादा इकोनॉमिक ग्रोथ से देश की आत्मनिर्भर भारत और विकसित भारत की यात्रा को तेज करने में मदद मिलेगी लेकिन उन्होंने जोर देते हुए कहा कि इसके लिए सभी पक्षों की ओर से बहुत ज्यादा कोशिश की जरूरत होगी। वित्त मंत्री ने कहा, 10 फीसदी से अधिक की वृद्धि दर हासिल करना संभव है और मैं यह बात केवल आप सभी का उत्साह बढ़ाने के लिए नहीं कह रही हूं। यह वास्तव में संभव है। मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के %संगम 2026 कार्यक्रम में प्रो. राजीव श्रीनिवासन के साथ बातचीत के दौरान उन्होंने साल 2015 के बाद से स्टार्टअप के तेजी से हुए विस्तार का उल्लेख करते हुए कहा कि वे आने वाले वर्षों में अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। सीतारमण ने कहा, हमारे यहां नकारात्मक बातें करने वालों की कमी नहीं है। ऐसे बहुत से लोग हैं जिन्हें भारत के विफल होने पर परोक्ष रूप से खुशी मिलती है। हम कतई ऐसा बदंशत नहीं कर सकते हैं। हमें ऐसे लोगों को सकारात्मक सोचने के लिए प्रेरित करने की जरूरत है। कृषि क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की भूमिका को रेखांकित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि तकनीकी हस्तक्षेपों ने उत्पादकों को बाजारों से जोड़ने और उत्पादकता में सुधार लाने में मदद की है। सीतारमण ने फसल की कटाई में तेजी लाने और अगली फसल के लिए जमीन तैयार करने में तकनीक के इस्तेमाल का उदाहरण दिया। वित्त मंत्री ने आईआईटी मद्रास पूर्व छात्रसंघ के कार्यक्रम में बातचीत के दौरान उन भूखंडों के सटीक मानचित्रण के लिए ड्रोन के उपयोग का जिक्र किया, जिनका पहले केवल हाथों से सर्वेक्षण किया जाता था। उन्होंने आगे कहा, प्रौद्योगिकी के इस तेज प्रसार के साथ स्टार्टअप में होने वाले नवाचारों को हर क्षेत्र में पहुंचना होगा। वित्त मंत्री कार्यालय ने एक्स पर जारी पोस्टर में कहा कि सीतारमण ने बेंगलुरु में आईआईटी मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के संगम 2026 कार्यक्रम में प्रो. राजीव श्रीनिवासन के साथ बातचीत में हिस्सा लिया।

गोयल ने कहा-अनुकूल नीतियों के चलते पसंदीदा निवेश गंतव्य बनकर उभरा यूपी

नई दिल्ली। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को कहा कि अनुकूल औद्योगिक नीतियों और बड़ी कंपनियों को आकर्षित करने की अपनी क्षमता के चलते उत्तर प्रदेश (यूपी) घरेलू और वैश्विक निवेशकों के लिए एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि नियात, निवेश और वैश्विक बाजारों तक पहुंच के विस्तार से उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य में योगदान मिलेगा। गोयल ने ग्रेटर नोएडा में यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य के राजस्व संग्रह में हुई उल्लेखनीय वृद्धि ने प्रदेश के विकास को गति देने में अहम भूमिका निभाई है। इस समय राज्य का सालाना नियात लगभग दो लाख करोड़ रुपये है और

घरेलू सर्राफा बाजार में सोने की घटी चमक, चांदी के भाव में सांकेतिक तेजी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में रविवार को सोने के भाव में मामूली गिरावट का रुख बना रहा और चांदी की कीमत में सांकेतिक तेजी दर्ज की गई। भाव में आए बदलाव के कारण आज चेन्नई के अलावा ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार सोना 160 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 170 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चेन्नई में सोना 110 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 120 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। कीमत में हुए इस परिवर्तन की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,52,680 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 1,39,950 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,40,100 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में मामूली तेजी आने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 2,45,000

इसे 2030 तक बढ़ाकर पांच लाख करोड़ रुपये करने का लक्ष्य रखा गया है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित

चौथे %यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो% को संबोधित करते हुए कहा, “अपनी अनुकूल वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित

रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए, तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोरी का रुख बनने के कारण सोना और चांदी दोनों धातुओं के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। पिछले सप्ताह के कारोबार में 24 कैरेट सोना 3,160 रुपये प्रति 10 ग्राम तक फिसल गया। इसी तरह 22 कैरेट सोना साप्ताहिक आधार पर 2,900 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया। चांदी की कमजोर ग्लोबल संकेतों की वजह से पिछले सप्ताह के कारोबार में कमजोरी दिखाता रहा। कीमत में आई गिरावट के कारण चांदी का भाव साप्ताहिक आधार पर दस हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक लुढ़क गया। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 1,52,830 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,40,100 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई।



चेक गणराज्य की राजधानी प्राग में हीरोज डे इवेंट में आपातकालीन हालातों में बचाव के तरीके को दिखाया गया। इसमें सुरक्षाकर्मों के साथ ही मेडिकल से जुड़े लोग और अन्य विभागों के बचावकर्मों शामिल थे।

एशियन गेम्स 2026: भारतीय पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमें सेमीफाइनल में

आइची-नागोया (जापान)। भारत की पुरुष और महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीमों ने रविवार को जारी एशियन गेम्स 2026 में अपने-अपने वर्ग के सेमीफाइनल में जगह बना ली। पुरुष टीम में साहिल जाधव, गणेश मणिरत्नम और कुशल दलाल की तिकड़ी ने भूटान को बेहद करीबी मुकाबले में 235-232 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। अब सेमीफाइनल में सामना दक्षिण कोरिया से होगा। महिला टीम में चिंकिता तनीपार्थी, ज्योति सुरेखा वेन्नम और पृथिका प्रदीप ने कजाकिस्तान को 233-230 से हराया। इस जीत के साथ भारतीय टीम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना दक्षिण कोरिया से होगा। क्वार्टर फाइनल में भारतीय महिला टीम छह तीरों के पहले सेट के बाद पीछे चल रही थी, लेकिन खिलाड़ियों ने शानदार वापसी करते हुए कजाकिस्तान को तीन अंकों के मामूली अंतर से मात दी। इससे पहले पुरुष टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाने के मुकाबले में यूएई के खिलाफ 235-215 से शानदार जीत दर्ज की थी। वहीं, महिला टीम ने मंगोलिया के खिलाफ और भी बेहतर प्रदर्शन करते हुए 238-223 से जीत हासिल की थी।

ओडिशा टी20 लीग : राउरकेला

सुपरस्टार्स ने भुवनेश्वर टाइगरस को तीन विकेट से हराया

कटक। अभिषेक यादव की दबाव में खेली गई नाबाद 61 रन की शानदार पारी की बदौलत राउरकेला सुपरस्टार्स ने ओडिशा टी20 लीग डूक सोीएम ट्रॉफी में भुवनेश्वर टाइगरस को तीन विकेट से हरा दिया। बाराबाती स्टेडियम में शनिवार खेले गए मुकाबले में पहले बल्लेबाजी करते हुए भुवनेश्वर टाइगरस की पूरी टीम 149 रन पर सिमट गई। टाइगरस ने शुरुआती 20 रन पर दो विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद संबित बेजा और श्रेयांश भारद्वाज ने पारी को संभालते हुए तीसरे विकेट के लिए 50 रन की साझेदारी की। संबित बेजा ने 19 गेंदों में 25 रन बनाए, जबकि श्रेयांश भारद्वाज ने 28 गेंदों पर 39 रन की पारी खेली। हालांकि, राउरकेला के गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट हासिल करते हुए भुवनेश्वर को बड़ी साझेदारी बनाने से रोकें रखा। रुद्र प्रसाद मलिक ने एक छोर संभाले रखा और 35 गेंदों में 47 रन की धैर्यपूर्ण पारी खेलकर टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। राउरकेला की ओर से पापू रांय ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी राउरकेला सुपरस्टार्स की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही। टीम ने आठ ओवर के भीतर 49 रन पर चार विकेट गंवा दिए। लगातार विकेट गिरने से मुकाबला रोमांचक हो गया, लेकिन अभिषेक यादव ने एक छोर संभाले रखा। अभिषेक ने 38 गेंदों में नाबाद 61 रन की पारी खेली, जैसैसे टीम ने 18.4 ओवर में सात विकेट पर 153 रन बनाते हुए जीत हासिल कर ली। मैच विजयी पारी के बाद अभिषेक यादव ने कहा कि टीम की जीत में योगदान देकर बहुत अच्छा लग रहा है, खासकर ऐसी स्थिति में जब हमने शुरुआती दौर में कुछ विकेट गंवा दिए थे। उन्होंने कहा कि मेरा ध्यान क्रीज पर टिके रहने, पारी को संभालने और मैच को ज्यादा से ज्यादा गहराई तक ले जाने पर था। मुझे खुशी है कि जब टीम को मेरी जरूरत थी, तब मैं रन बना सका और टीम को जीत दिलाने में मदद की।

उन्होंने आगे कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख कॉर्पोरेट घराने और वैश्विक निवेशक आ कि उत्तर प्रदेश के विकास का अगला पड़ाव हो रहे हैं। गोयल ने बताया कि राज्य का निवेश आकर्षित करना, पर्यटन को सुदृढ़ बनाना और राज्य के स्थानीय ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पर जारी एक पोस्टर में लिखा, आज यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य, हुनर और उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्टायम शुल्क संग्रह सहित भूमि हस्तांतरण पंजीकरण शुल्क भी वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके 70,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बचट में 43,802 करोड़ रुपये हो गया है। गोयल ने कहा कि खनन राजस्व संग्रह में भी इसी प्रकार की भारी वृद्धि दर्ज की गई है और

इस पूरे राजस्व का इस्तेमाल राज्य की आर्थिक वृद्धि के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के विकास का अगला पड़ाव वैश्विक बाजारों में निर्यात बढ़ाना, अंतरराष्ट्रीय निवेश आकर्षित करना, पर्यटन को सुदृढ़ बनाना और राज्य के स्थानीय ब्रांड को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाना है। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री ने एक्स पर जारी एक पोस्टर में लिखा, आज यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो के चौथे संस्करण में उत्तर प्रदेश के सामर्थ्य, हुनर और उम्मीद है। उन्होंने कहा कि स्टायम शुल्क संग्रह सहित भूमि हस्तांतरण पंजीकरण शुल्क भी वित्त वर्ष 2026-27 के अंत तक इसके 70,000 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बचट में 43,802 करोड़ रुपये हो गया है। गोयल ने कहा कि खनन राजस्व संग्रह में भी इसी प्रकार की भारी वृद्धि दर्ज की गई है और

एनटीपीसी, डीीएफ ने नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए किया समझौता

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी एकोकृत सार्वजनिक क्षेत्र की बिजली कंपनी एनटीपीसी लिमिटेड और डीीएफ पावर सोल्यूशंस इंडिया ने भारत में पंप स्टोरेज, जलविद्युत और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विकास, स्वामित्व तथा संचालन के लिए साझेदारी की है। एनटीपीसी की तरफ से ज्योती बयान में कहा गया है कि दोनों कंपनियों के बीच 50:50 का एक संयुक्त उद्यम (जेवी) बनाया गया है। यह संयुक्त उद्यम भारत और पड़ोसी देशों में परियोजनाओं पर काम करेगा। इस समझौते पर 25 सितंबर को एनटीपीसी के चेयरमैन गुदपीत सिंह और डीीएफ एमए के चेयरमैन एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बर्नार्ड फोर्टम को मौजूदगी में हस्ताक्षर किए गए हैं।

28 से 30 सितंबर तक हड़ताल, बैंक ग्राहकों को मैसेज भेजकर जरूरी काम निपटाने की दे रहे सलाह

बैंकों ने तीन दिवसीय हड़ताल से पहले ग्राहकों को जरूरी तनदेन निपटाने की दी सलाह

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक कर्मचारियों की 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित तीन दिवसीय राष्ट्रव्यापी हड़ताल से महीने की आखिरी हफ्ते में ग्राहकों की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। इस बीच बैंकों ने ग्राहकों को हड़ताल से पहले जरूरी बैंकिंग काम निपटा लेने की सलाह दी है, ताकि उन्हें परेशानी न हो। यूनाइटेड फोर्म ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28 सितंबर से तीन दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया है। इससे पहले 26 सितंबर को महीने का चौथा शनिवार होने के कारण आज बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, 27 सितंबर को रविवार की छुट्टी होने के बावजूद बैंक खुलेंगे। ऐसे में 28 से लेकर 30 सितंबर तक लगातार तीन दिन बैंक शाखाओं में कामकाज

प्रभावित रहेगा। इस बीच सार्वजनिक क्षेत्र के सबसे बड़े बैंकों में शामिल स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) सहित कुछ अन्य पुराने निजी बैंकों ने ग्राहकों को जरूरी बैंकिंग काम हड़ताल से पहले ही निपटा लेने की सलाह दे रहे है, ताकि उन्हें परेशानी न हो। एसबीआई ने भेजे अपने मैसेज में लिखा है कि एसबीआई की शाखाएं 27 सितंबर को खुली रहेंगी। अपनी बैंकिंग जरूरतों के लिए किसी भी शाखा में जाएं। उल्लेखनीय है कि, बैंक यूनियनों की ओर से पांच दिन (बैंकिंग वर्किंग) कामकाज दिवस को लापु करने समेत विभिन्न मांगों को लेकर हड़ताल का आह्वान किया गया है। बैंकों की तीन दिन की हड़ताल के दौरान बैंक शाखाओं में केश जमा-निकासी, चेक क्लीयरेंस और अन्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। जिन ग्राहकों को शाखा में जाकर बैंकिंग से जुड़े काम कराने हैं, उन्हें परेशानी हो सकती है।



सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है : मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री ने उज्जैन को दौ 173 करोड़ के विकास कार्यों की रीोगात

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि हमारी सरकार प्रदेश के समान विकास के लिए संकल्पित होकर कार्य कर रही है। उज्जैन (अवंतिका) एक प्राचीन नगर है। यहां का व्यापार व्यवसाय और इसका वैभव ही सदियों से इस नगर का गौरव और पहचान रही है। उज्जैनवासियों ने हर काल में शहर के विकास में सहयोग दिया है और आज भी यहां के लोग विकास एवं सौंदर्यीकरण के लिए स्वैच्छिक योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ.यादव रविवार को महाकाल महालोक,उज्जैन में विकास



कार्यों के भूमिपूजन एवं लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने यहां 173 करोड़ रुपये लागत के 15 विकास कार्यों का

भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने कहा कि उज्जैन को जल्द ही मेट्रो ट्रेन की सीगात भी मिलेगी। भोपाल के मास्टर प्लान का

ड्रॉप्ट प्रकाशित कर दिया गया है। ग्वालियर नई मेट्रोपॉलियन सिटी के रूप में विकसित होगा साथ ही इसे टेलीकोम सिटी के रूप में भी विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इंदौर-भोपाल-जबलपुर तक औद्योगिक गलियारा बनने का रहा है। इससे पूरे प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति मिलेगी। हमारी सरकार सेवा भाव से समान रूप से कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सुगम परिवहन सेवा से प्रदेश में नई परिवहन सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। इसके अन्तर्गत यात्री बसें एक नगर से दूसरे नगर तक ही नहीं, बल्कि एक राज्य से दूसरे राज्य तक जाएंगी। उज्जैन में श्रद्धालुओं एवं

पर्यटकों की सुविधा के लिए उज्जैन दर्शन हेतु 10 नई पीएम ई-बस सेवाओं का शुभारंभ किया गया है। कार्यक्रम को उज्जैन सांसद अनिल फिरोजिया, राज्यसभा सदस्य बालयोगी उमेशनाथ महाराज, सांसद डॉ. लता वानखेड़े एवं महापौर मुकेश टटवाल ने भी संबोधित किया।जनप्रतिनिधियों ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.यादव के नेतृत्व में उज्जैन का चौमुखी विकास हो रहा है तथा सिंहस्थ के दृष्टिगत नगर को सजाया-संवारा जा रहा है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश गृह एवं अधोसंरचना निर्माण मंडल के अध्यक्ष ओम जैन, सिंहस्थ प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय भारद्वाज, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती, संजय

अग्रवाल, जगदीश पांचाल एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित थे।आरंभ में मुख्यमंत्री डॉ.यादव एवं अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.यादव ने रविवार को उज्जैन में हुए कार्यक्रम में 15 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। इसमें 12 कार्यों का भूमि-पूजन और 3 कार्यों का लोकार्पण शामिल है। भूमि-पूजन कार्यों में मुख्य रूप से नगर निगम उज्जैन के 8 बड़े कार्य हैं, जिनमें गौशाला मार्ग से शिप्रा विहार मार्ग निर्माण, महाकाल लोक क्षेत्र में पार्किंग सुविधा, श्री महाकाल मंदिर परिसर का विकास एवं क्षिप्रा नदी के घाटों का जीर्णोद्धार जैसे कार्य

शामिल हैं। इसके साथ ही उज्जैन स्मार्ट सिटी द्वारा महाकाल मंदिर के पीछे लैंडस्केपिंग, पुलिस विभाग द्वारा चिंतामण जवासिया में पुलिस आवास और उज्हेल में थाना भवन तथा पर्यटन विभाग द्वारा 45 नगरीय वनों का विकास कार्य शामिल है, जिनकी कुल लागत 153.31 करोड़ रुपये है। लोकार्पित किए गए कार्यों में पुलिस आवास अधोसंरचना विकास निगम द्वारा नीलगंगा और उज्हेल में निर्मित पुलिस आवास एवं थाना भवन तथा ऊर्जा विभाग द्वारा बड़नगर में निर्मित 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र शामिल हैं, जिनकी कुल लागत 19.56 करोड़ रुपये है।

मन की बात कार्यक्रम सेवा, सहभागिता की भावना को नई ऊर्जा देता है : खंडेलवाल

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल ने भोपाल में दिव्यांगों को बांटे ट्राईसिकल व उपकरण

भोपाल। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ‘मन की बात’ कार्यक्रम का रविवार को राजधानी भोपाल के साथ ही प्रदेशभर में विभिन्न स्थानों पर सामूहिक श्रवण किया गया। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव ने उज्जैन के महाकाल अन्न क्षेत्र में कुली भाइयों, पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नागरिकों के साथ कार्यक्रम सुना। वहीं, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने भोपाल के अरेरा मंडल स्थित बुध क्रमांक 176 पर रानी कमलापति रेलवे स्टेशन के कुलियों के साथ ‘मन की बात’ कार्यक्रम को सुना। सेवा संकल्प अभियान के तहत भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने दक्षिण-पश्चिम विधानसभा क्षेत्र के बृथ क्रमांक 174 स्थित सिंधु भवन सभागार में दिव्यांगजनों को उनकी जरूरत के अनुसार ट्राईसिकल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। इस दौरान उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा और सांसद



आलोक शर्मा भी मौजूद रहे। खंडेलवाल ने कहा कि दिव्यांगजन विपरीत परिस्थितियों के बावजूद जिस साहस और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ते हैं, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि सहायक उपकरणों का वितरण दिव्यांगजनों को अधिक सुगम और आत्मनिर्भर जीवन की दिशा में सहयोग देने का प्रयास है। वहीं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि ‘मन

की बात’ देश के अलग-अलग हिस्सों में हो रहे जनप्रयासों और सकारात्मक बदलावों को राष्ट्रीय मंच देने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम सेवा, सहभागिता और संकल्प की भावना को नई ऊर्जा देता है तथा नागरिकों को राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए प्रेरित करता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने कार्यक्रम में स्वच्छता, नदी संरक्षण, नशामुक्ति, पर्यावरण, पोषण, खेल

प्रतिभाओं और सांस्कृतिक विरासत जैसे विषयों पर जनभागीदारी के प्रयासों का उल्लेख किया। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ‘मन की बात’ के माध्यम से देश के विभिन्न हिस्सों में नागरिकों द्वारा किए जा रहे छोटे-छोटे लेकिन उल्लेखनीय प्रयासों को सामने लाते हैं। इससे अन्य लोगों को भी प्रेरणा मिलती है। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को भारतीय संस्कृति और विरासत से जोड़ने के साथ पर्यावरण, स्वास्थ्य, रोजगार, पोषण और सामाजिक सरोकारों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के नेतृत्व में उज्जैन को आगामी सिंहस्थ के लिए तैयार किया जा रहा है। सड़क, यातायात और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए काम किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि विकास कार्यों में सहयोग करते हुए कई नागरिक अपनी संपत्तियों से संबंधित आवश्यक हिस्से पोछे कर रहे हैं।

संत निरंकारी सत्संग भवन में मानवता का महापर्व-विशाल रक्तदान शिविर सम्पन्न

संत हिरदयाराम नगर में हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से 518 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

बैरागढ़। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चैरीटेबल फाउण्डेशन के तहत जोनल इंचार्ज अशोक जुनेजा एवं संयोजक महेश वीधानी के मार्गदर्शन में शनिवार को प्रातः 9 बजे से 5.00 बजे तक मानवता का महापर्व- विशाल रक्तदान शिविर संत निरंकारी सत्संग भवन, स्काईलैंड गार्डन के पास,संत हिरदयाराम नगर में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से सम्पन्न हुआ। आज हुए रक्तदान शिविर में 518 यूनिट रक्तदाताओं ने रक्तदान करके पीडित मानवता की सेवा की है। शनिवार सुबह से ही रक्तदाताओं की लम्बी-लम्बी कतारें लगी हुई थी । मिशन के बर्कों के लिए रक्तदान पहले से ही जनकल्याण की सेवा भाव में एक अभिन्न अंग रहा है। युगदूध बाबा हरदेव सिंह जी महाराज के कथन अनुसार रक्त नालियों में नहीं नाडियों में बहे। इस संदेश को मिशन के अनुयाइयों ने निश्चित रूप से चरितार्थ किया है, जिसे वर्तमान में माता सुदीक्षा जी महाराज के निर्देशानुसार निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा हैं। इस दौरान निरंकारी मिशन के क्षेत्रीय संचालक अखिलेश यादव, विधायक भगवानदास सभनानी, शहर के गणमान्य नागरिक,समाजसेवी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारी, पत्रकार बंधु एवं रक्तदाता आदि विशेष रुप से उपस्थित थे। रक्तदान शिविर की सुंदर व्यवस्था संचालक अशोक नाथानी, संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कुलशानी, शिक्षिका सुप्रमा ग्वालानी,सहायक शिक्षक विजय नाथानी सहित सेवा दल के भाई-बहनों द्वारा की गई ।

नगर पालिक निगम और एम्स के कर्मचारियों ने आई.एस.बी.टी. में साफ-सफाई कर नागरिकों में की

भोपाल। स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आमजन में स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने एवं शहर में बेहतर साफ-सफाई बनाने हेतु नगर पालिक निगम, भोपाल द्वारा निरंतर स्वच्छता की गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन में निगम के साथ अन्य संस्थान भी सम्मिलित हो रहे हैं। इसी क्रम में रविवार को निगम के अमले ने एम्स संस्थान के अमले के साथ आई.एस.बी.टी में स्वच्छता की गतिविधियों का आयोजन किया और नागरिकों से स्वच्छता संवाद कर जागरूकता उत्पन्न भी की। नगर निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने स्वच्छता ही सेवा अभियान-2026 के तहत स्वच्छता की विभिन्न गतिविधियां आयोजित कर आई.एस.बी.टी परिसर में साफ-सफाई कार्य किया और नागरिकों से स्वच्छता संवाद कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता उत्पन्न की। निगम व एम्स के अधिकारियों, कर्मचारियों ने इस दौरान स्वच्छता कार्य हेतु श्रमदान किया और कचरा उठाकर कचरा वाहन में डाला। निगम अधिकारियों ने एम्स के अधिकारी, कर्मचारियों व अन्य प्रबुद्धजन को स्वच्छता के महत्व एवं स्वच्छ भारत मिशन के तहत कचरे का पृथक्कीकरण, भिन्न-भिन्न प्रकार कचरे के लिए अलग-अलग डस्टबिन का उपयोग करने तथा कचरा वाहनों को पृथक-पृथक कचरा देने के संबंध में समझाशा दी और व्यक्तिगत, सामाजिक, सामुदायिक स्वच्छता के प्रति प्रोत्साहित भी किया।

वोट चोरी नहीं हो रही,जनता ने चोरों को वोट देना बंद किया: नरोत्तम मिश्रा

भोपाल। मध्य प्रदेश भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृह मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्रा ने राहुल गांधी के चुनाव आयोग और वोट चोरी के आरोपों पर पलटवार किया है। रविवार को ब्राह्मण समाज के कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे डॉ. मिश्रा ने पत्रकारों से चर्चा में कहा कि वोट चोरी नहीं हो रही है, बल्कि देश की जनता जागरूक हो गई है और उसने चोरों को वोट देना बंद कर दिया है। उन्होंने राहुल गांधी से अपने आरोपों को लेकर देश की जनता से माफी मांगने की मांग की। डॉ. मिश्रा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस 90 से अधिक चुनाव हार चुकी है। उन्होंने आरोप लगाया कि अपनी साख बचाने और नेतृत्व पर सवाल उठने से बचने के लिए राहुल गांधी समय-समय पर नए मुद्दे लेकर आते हैं। कभी हाइड्रोजन बम की बात होती है तो कभी सुपेरी बम की, लेकिन अंत में उनके आरोप बेअसर साबित होते हैं। उन्होंने कहा कि अब राहुल गांधी वोट चोरी के लिए एसआईआर को जिम्मेदार बता रहे हैं। डॉ. मिश्रा के मुताबिक, इससे पहले राहुल गांधी इंबीयम के जरिए वोट चोरी होने के आरोप लगाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि लगातार आरोप लगाकर देश में भ्रम की स्थिति पैदा की गई और इसके लिए राहुल गांधी को जनता से माफी मांगनी चाहिए। पूर्व गृह मंत्री ने कहा कि चुनाव में जनता का फैसला ही अंतिम होता है।

‘मन की बात’ से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें : राज्यपाल पटेल



राज्यपाल के साथ आयुर्वेद महाविद्यालय में शिक्षकों,विद्यार्थियों ने गुना ‘मन की बात’ कार्यक्रम

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि मन की बात से प्रेरणा लेकर आयुर्वेद को जनकल्याण से जोड़ें, क्योंकि आने वाला समय आयुर्वेद का है। आवश्यकता उसके ज्ञान को जन-जन तक पहुंचाने की है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ जीवन, प्रकृति संरक्षण और स्वास्थ्य जागरूकता का संदेश समाज तक पहुंचाना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। आयुर्वेद को केवल उपचार तक सीमित नहीं रखें। उसके ज्ञान से रोग नियंत्रण,स्वास्थ्य जागरूकता और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देने के प्रयास किए जाने चाहिए। उन्होंने आयुर्वेद महाविद्यालय को शिक्षा,शोध,सेवा और जन-जागरूकता को एक साथ आगे बढ़ाने का केंद्र बनने के लिए प्रोत्साहित किया। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा

कि स्वास्थ्य का संबंध केवल दवा से नहीं, बल्कि स्वच्छता,संतुलित आहार,पर्याप्त नींद,योग,व्यायाम और सकारात्मक सोच से भी है। राज्यपाल श्री पटेल पं. खुशीलाल शासकीय (स्वास्थ्य) आयुर्वेद महाविद्यालय एवं संस्थान के रजत जयंती सभागार में रविवार को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कार्यक्रम ‘मन की बात’ के प्रसारण से पूर्व श्रोताओं को संबोधित कर रहे थे। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि ‘मन की बात’ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देश के नागरिकों से संवाद का नवाचार है, जिसमें समाज के विभिन्न क्षेत्रों के प्रे़क कार्य और अनुभव सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि ‘मन की बात’ कार्यक्रम सामान्य नागरिकों के छोटे प्रयासों और जन भागीदारी की उपयोगी पहल को सामने लाकर समाज और राष्ट्र के लिए सकारात्मक कार्य करने की प्रेरणा देता है। जागरूक नागरिक अपने स्तर पर निरंतर प्रयासों

से समाज में महत्वपूर्ण परिवर्तन ला सकते हैं। ‘मन की बात’ यह संदेश देती है कि समाज में बदलाव केवल बड़े प्रयासों से नहीं, बल्कि छोटे और निरंतर कार्यों से भी संभव है। उन्होंने उदाहरण दिया कि किसी गांव में एक विद्यार्थी भी स्वास्थ्य जागरूकता का छोटा अभियान शुरू कर अनेक परिवारों तक उसका प्रभाव पहुंचा सकता है। राज्यपाल श्री पटेल ने कहा कि आधुनिक समय में जीवनशैली से जुड़ी अनेक चुनौतियां बढ़ रही हैं। ऐसे में स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता और अनुशासित दिचर्चा अत्यंत आवश्यक है। स्वस्थ शरीर से स्वस्थ मन और सक्रिय बुद्धि का निर्माण होता है। उन्होंने संतुलित आहार, मिलेट के सेवन,पर्याप्त पानी पीने, नियमित व्यायाम और कम तेल के उपयोग को स्वास्थ्य के लिए आवश्यक बताया। कोविड के दौरान गलियों की महता को बताते हुए अधिकांश पेड़-पौधों में औषधीय गुण होने की बात कही। जन औषधि केंद्रों से दवाई लेने के लिए जन-जागरूकता बढ़ाने के प्रयासों पर बल दिया। बताया कि देश में 25 हजार केंद्र बनाने का लक्ष्य है, जिनमें 19 हजार केंद्र स्थापित हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि गांवों और जनजातीय क्षेत्रों में औषधीय पौधों तथा पारंपरिक उपचार से जुड़ा व्यापक ज्ञान उपलब्ध है। इस ज्ञान को वैज्ञानिक दृष्टि से समझना आवश्यक है। उन्होंने स्वास्थ्य से स्थानीय ज्ञान, वन औषधियों और पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धतियों के अध्ययन तथा शोध के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और जागरूक नागरिक ही मजबूत समाज की आधारशिला हैं।

निगम द्वारा की गई बेहतर त्ववस्थाओं के साथ सुगमता से हुई भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमाएं विसर्जित



भोपाल। नगर पालिक निगम भोपाल द्वारा श्री गणेश उत्सव के दौरान अनन्त चतुर्दशी पर भगवान श्री गणेश की छोटी-बड़ी प्रतिमाओं को पूर्ण विधि-विधान के साथ ससम्मान विसर्जित करने हेतु सभी 07 प्रमुख विसर्जन घाटों एवं अस्थाई विसर्जन कुण्डों पर व्यवस्थाएं बेहतर ढंग से सुनिश्चित की गई हैं जिनके कारण श्रद्धालुजन भगवान श्री गणेश की छोटी एवं बड़ी प्रतिमाओं का विसर्जन सुगमता के साथ कर रहे हैं और समाचार लिखे जाने तक 07 स्थाई विसर्जन घाटों एवं 29 अस्थाई विसर्जन कुण्डों/घाटों पर लगभग 42 हजार 318 छोटी एवं 02 हजार 197 बड़ी प्रतिमाएं विसर्जित की जा चुकी हैं। महापौर श्रीमती मालती राय एवं निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने विसर्जन घाटों एवं अस्थायी विसर्जन स्थलों का निरीक्षण किया और विसर्जन संबंधी सभी व्यवस्थाओं को निरंतरता के साथ बेहतर ढंग से संचालित करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्रीमती जैन ने 07 प्रमुख विसर्जन घाटों पर अपर आयुकों को नोडल

अधिकारी और वरिष्ठ अधिकारियों को प्रभारी अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारी का दायित्व सौंपा है जो भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का ससम्मान एवं विधि-विधान के साथ विसर्जन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित ढंग से सुनिश्चित करा रहे है। निगम ने शहर के 07 प्रमुख स्थाई विसर्जन घाटों एवं जोनस्तर पर 29 अस्थाई विसर्जन स्थल बनाए हैं। इन विसर्जन घाटों पर सुविधा एवं सुरक्षा के दृष्टिगत क्रेन, बोर्ड्स, सभी आवश्यक संसाधनों से लैस गोताखोर व फॉयर ब्रिगेड का अमला तैनात किया है साथ ही विसर्जन घाटों एवं उनके पहुंच मार्गों पर बेहतर साफ-सफाई, पर्याप्त प्रकाश एवं पेयजल की व्यवस्था के साथ ही स्थाई विसर्जन कुण्डों/घाटों पर कंट्रोल रूम स्थापित किये गये हैं और जोन स्तर पर भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं के एकत्रीकरण एवं विसर्जन हेतु ट्रेड, टैबल, कुर्सी, विसर्जन पात्र तथा पूजन सामग्री व अन्य प्रकार के अपशिष्टों को रखने हेतु पृथक-पृथक पात्र एवं 30 विशेष विसर्जन वाहन तथा जोन स्तर पर वाहनों को विसर्जन वाहन के रूप में उपयोग किया जा रहा है। इस व्यवस्थाओं को निरंतरता के साथ बेहतर बनाए रखने और श्रद्धालुजन को प्रतिमाओं के विसर्जन में किसी प्रकार की कठिनाई न आने देने हेतु विगत दिनों महापौर श्रीमती मालती राय एवं निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन ने विसर्जन स्थलों का निरीक्षण कर संबंधित अधिकारियों को बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया था।

बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम शहर में देर रात उतरी सड़क पर

छह नंबर में 10 साल से छोटे बच्चे को पान की दुकान पर सिगरेट-बीड़ी बेचते पकड़

भोपाल। राजधानी भोपाल की रात में जब शहर अपने घरों में सिमटने लगता है,तब मध्य प्रदेश बाल अधिकार संरक्षण आयोग की नजर उन बच्चों तक पहुंच रही है, जिनका बचपन किसी दुकान, सड़क या नशे के अड्डे के आसपास खोता दिखाई दे रहा है। छह नंबर क्षेत्र में रात 11 बजे के बाद बाल आयोग की औचक कार्रवाई में 10 वर्ष से भी कम उम्र का एक बालक पान की दुकान पर सिगरेट और बीड़ी बेचते मिला। बच्चे के हाथ में किताब की जगह तंबाकू उत्पाद देखकर आयोग की अध्यक्ष डॉ. निवेदिता शर्मा ने तत्काल हस्तक्षेप किया। परिवार को सख्त हद्दायत दी गई कि बच्चे को दोबारा इस तरह काम करते पाया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इस कार्रवाई का सबसे संवेदनशील पहलू यह रहा कि आयोग ने परिवार को सिर्फ चेतावनी देकर मामला समाप्त नहीं किया। डॉ. शर्मा ने परिवार से कहा कि यह उम्र बच्चे के पढ़ने की है। यदि आर्थिक परेशानी के कारण परिवार उसे पढ़ाने में सक्षम नहीं है तो इसकी जानकारी दी जाए। बच्चे को पिछड़ा वर्ग से संबंधित छात्रावास में प्रवेश दिलाकर राज्य शासन की व्यवस्था से उसकी शिक्षा सुनिश्चित कराने की दिशा में कदम उठाया जाएगा। यह घटना उस समय और महत्वपूर्ण हो जाती है, जब

राजधानी में कुछ ही समय पहले आयोग की अध्यक्ष को शराब की दुकान के बाहर एक न्यायालय किशोरी सिगरेट और शराब का सेवन करते मिली थी। वहां भी डॉ. शर्मा ने मौके पर हस्तक्षेप करते हुए पुलिस को बुलाया और किशोरी को पुलिस के हवाले किया। यानी बाल आयोग की निगाह में बच्चों तक नशे की पहुंच और बच्चों का असुरक्षित परिस्थितियों में पहुंचना गंभीर चिंता का विषय बन चुका है। उल्लेखनीय है कि छह नंबर क्षेत्र में देर रात की औचक कार्रवाई के दौरान जब आयोग की टीम पान की दुकान तक पहुंची तो वहां 10 वर्ष से कम उम्र का बालक काम करता मिला। वह सिगरेट और बीड़ी बेच रहा था। उम्र इतनी कम थी कि यह दृश्य अपने आप में कई सवाल खड़े करने वाला था। डॉ.निवेदिता शर्मा ने बच्चे की स्थिति को गंभीरता से लेते हुए परिवार से बातचीत की। परिवार को समझाया गया कि छोटे बच्चे को इस तरह दुकान पर बैठकर काम कराना उसके बचपन और शिक्षा दोनों को प्रभावित करता है। उसे इस उम्र में कमाई के काम से दूर रखकर विद्यालय और पढ़ाई से जोड़ना जरूरी है। परिवार को स्पष्ट चेतावनी भी दी गई कि भविष्य में यदि बच्चा फिर इसी तरह दुकान पर काम करता मिला तो आयोग कानूनी कार्रवाई के लिए मजबूर होगा। कार्रवाई का मानवीय पक्ष उस समय सामने आया जब डॉ. शर्मा ने परिवार की आर्थिक स्थिति को भी ध्यान में रखा।